श्रमसाधना

हम बनेंगे आपकी आवाज
स्कैन करें और चैनल से जुड़े

shramsadhnagwl@gmai.com — श्रम की शक्ति, राष्ट्र की प्रगति — www.shramsadhnanews.com

दैनिक सांध्यकालीन

RNI रजि. क्र. 50069/89

वर्ष : 38, अंक : 42 ग्वालियर, शनिवार 12 सितंबर 2026
विक्रम संवत् 2083 पृष्ठ 12, मूल्य 1 रुपया

डाक पंजीयन
L-2-13/समा.पत्र/पं. 40020181/22-23

2030 तक 75 प्रतिशत गांवों को बस सेवा से जोड़ने का लक्ष्य, 150 सिटी, 450 अंतरजिला और 436 अंतरराज्यीय मार्ग होंगे विकसित

प्रदेश में 25 सितंबर से शुरू होगी मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा

भोपाल जीएनएस

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने घोषणा की है कि प्रदेश में मुख्यमंत्री सुगम परिवहन बस सेवा का शुभारंभ 25 सितंबर से किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नागरिकों को सुगम, सुरक्षित, आधुनिक और भरोसेमंद बस सेवा उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। वर्ष 2030 के अंत तक प्रदेश के 75 प्रतिशत गांवों तक बस सेवा पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित दो दिवसीय यात्री परिवहन विजन समिट-2026 के शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में करीब पांच लाख किलोमीटर का सड़क नेटवर्क है और 15 हजार से अधिक बसों के संचालन की संभावनाएं हैं। नई बस सेवा से ग्रामीण, अंतरजिला और अंतरराज्यीय कनेक्टिविटी मजबूत होगी।

55 जिलों में हुआ रूट सर्वे : परिवहन सचिव मनीष सिंह ने बताया कि प्रदेश के सभी 55 जिलों का रूट सर्वे किया जा चुका है। डेटा के आधार पर करीब 150 शहरी, 450 अंतरजिला और 436 अंतरराज्यीय मार्ग विकसित किए जाएंगे। बसों में सीसीटीवी, जीपीएस, आपातकालीन बटन और वास्तविक समय निगरानी जैसी सुविधाएं रहेंगी। इलेक्ट्रिक और सीएनजी बसों को प्राथमिकता दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सेवा के माध्यम से आधुनिक बस टर्मिनल, डिजिटल व्यवस्था और यात्री सुरक्षा को बढ़ावा दिया जाएगा। सरकार निजी बस संचालकों, बस निर्माता कंपनियों और अन्य भागीदारों के साथ मिलकर ऐसा सार्वजनिक परिवहन मॉडल तैयार करना चाहती है, जो देश के लिए उदाहरण बने।

भोपाल-इंदौर में रैपिडो के साथ पायलट : सार्वजनिक परिवहन को घर के नजदीक उपलब्ध कराने के लिए मध्यप्रदेश यात्री परिवहन एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड और रैपिडो के बीच समझौता हुआ है। इसके तहत बस स्टैंड, बस स्टॉप और मेट्रो स्टेशनों को तकनीकी मंच से जोड़ा जाएगा। महिलाओं द्वारा संचालित रैपिडो पिंक बाइक-टैक्सी सेवा को भी बढ़ावा दिया जाएगा। प्रारंभिक चरण में यह व्यवस्था भोपाल और इंदौर में पायलट परियोजना के रूप में शुरू होगी।

गोवंश के स्वास्थ्य, कृत्रिम गर्भाधान और टीकाकरण की ली जानकारी

संभागायुक्त ने बमोरी में गौशाला, महाविद्यालय और उचित मूल्य दुकान का किया निरीक्षण

ग्वालियर/गुना जीएनएस

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत ग्वालियर संभागायुक्त मनोज खत्री ने शुक्रवार को गुना जिले के बमोरी क्षेत्र का दौरा कर विभिन्न शासकीय संस्थानों और श्रीकृष्ण गौशाला बागेरी का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संस्थानों में व्यवस्थाओं का जायजा लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल और पुलिस अधीक्षक हितिका वासल भी मौजूद रहे।

गौशाला में गोवंश की व्यवस्थाएं देखीं : संभागायुक्त ने श्रीकृष्ण गौशाला बागेरी पहुंचकर गोवंश के लिए उपलब्ध व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने पशुपालन विभाग के उपसंचालक से गौशाला को मिलने वाले अनुदान, गोवंश के टीकाकरण, कृत्रिम गर्भाधान और कार्यरत गोमित्रों की संख्या के बारे में जानकारी ली। उन्होंने गोवंश को चारा और गुड़ खिलाया तथा गौशाला परिसर को और व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने आमजन से संवाद कर व्यवस्थाओं के संबंध में भी जानकारी ली।

महाविद्यालय में शैक्षणिक व्यवस्था पर चर्चा : संभागायुक्त ने शासकीय डिग्री महाविद्यालय बमोरी का निरीक्षण कर शैक्षणिक व्यवस्थाओं और उपलब्ध संसाधनों की जानकारी ली। उन्होंने महाविद्यालय के स्टाफ से संवाद कर शिक्षण व्यवस्था से जुड़े विषयों पर चर्चा की।

संदीपनी विद्यालय के निर्माण की जांच : शासकीय संदीपनी उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बमोरी का निरीक्षण करने के साथ संभागायुक्त ने निर्माणाधीन संदीपनी विद्यालय भवन का भी जायजा लिया। उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति और गुणवत्ता की जानकारी लेकर आवश्यक निर्देश दिए।

राशन दुकान पर वितरण व्यवस्था देखी : इसके बाद उन्होंने शासकीय उचित मूल्य दुकान बमोरी का निरीक्षण किया। यहां उपलब्ध व्यवस्थाओं और हितग्राहियों को खाद्यान्न वितरण की प्रक्रिया की जानकारी ली तथा आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक दुबे, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व शिवानी पांडेय सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

रोजगार और कौशल विकास को लेकर मुख्यमंत्री की मांडविया से चर्चा

भोपाल जीएनएस

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को नई दिल्ली में केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्य एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया से सौजन्य भेंट की। इस दौरान मध्यप्रदेश के विकास, रोजगार सृजन, युवाओं के कौशल विकास और रोजगार के नए अवसरों के विस्तार से जुड़े विषयों पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में युवाओं के कौशल विकास और रोजगार को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार की ओर से किए जा रहे प्रयासों की जानकारी केंद्रीय मंत्री को दी। उन्होंने युवाओं को अधिक रोजगार अवसर उपलब्ध कराने तथा केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के सहयोग से रोजगार और कौशल विकास से जुड़ी योजनाओं को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने के संबंध में भी विचार-विमर्श किया। बैठक में युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों का विस्तार, कौशल विकास को बढ़ावा देना और केंद्र-राज्य समन्वय से रोजगारपरक गतिविधियों को गति देने सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर भी चर्चा हुई।

दतिया किला परिसर में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह का आत्मीय स्वागत, पीतांबरा मंदिर में किए मां बगलामुखी के दर्शन

प्रसन्न हूं, दतिया की जनता ने घनश्याम सिंह को विधायक चुना

दतिया जीएनएस

पूर्व मुख्यमंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने शुक्रवार को दतिया प्रवास के दौरान कहा कि उन्हें इस बात की प्रसन्नता है कि दतिया की जनता ने घनश्याम सिंह को अपना विधायक चुना। उन्होंने उपचुनाव में कांग्रेस की जीत के लिए पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं का आभार जताते हुए कहा कि सभी ने एकजुट होकर पूरी निष्ठा और लगन से काम किया।

दिग्विजय सिंह दतिया विधायक घनश्याम सिंह के आमंत्रण पर दोपहर भोज के लिए दतिया किला परिसर पहुंचे थे। यहां पत्रकारों से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेतृत्व में प्रदेश के कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उपचुनाव में मिली जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा से निभाया। उन्होंने अवधेश नायक का भी आभार जताया और कहा कि दो बार टिकट कटने के बावजूद उन्होंने कांग्रेस का समर्थन किया। उन्होंने दतिया की जनता के प्रति आभार जताते हुए जीत का श्रेय मां पीतांबरा की कृपा को भी दिया।

किला परिसर में हुआ स्वागत : दतिया किला पहुंचने पर दतिया महाराजा अरुणादित्य देव ने दिग्विजय सिंह की अगवानी कर पुष्पगुच्छ भेंट किया। इसके बाद नवनिर्वाचित विधायक घनश्याम सिंह, भांडेर विधायक फूल सिंह बरैया, डबरा विधायक सुरेश राजे, पूर्व विधायक राधेलाल बघेल, पूर्व विधायक प्रागीलाल जाटव, कांग्रेस प्रदेश महासचिव अवधेश नायक, जिला कांग्रेस संगठन प्रभारी रामलखन डंडोतिया और जिला कांग्रेस अध्यक्ष अशोक दांगी बगदा सहित कांग्रेस नेताओं ने उनका स्वागत किया। इस दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद रहे।

पीतांबरा मंदिर में की पूजा-अर्चना : दतिया पहुंचने के बाद दिग्विजय सिंह ने शक्तिपीठ पीतांबरा मंदिर पहुंचकर मां बगलामुखी के दर्शन किए और पूजा-अर्चना की।

नीरज शर्मा के निवास पर भी हुआ स्वागत : कांग्रेस के पूर्व जिला सचिव पंडित नीरज शर्मा के निवास पर दिग्विजय सिंह और विधायक घनश्याम सिंह का ढोल-नगाड़ों और आतिशबाजी के साथ स्वागत किया गया। नीरज शर्मा ने दोनों नेताओं को साफा पहनाकर एवं तलवार और स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया। इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष अशोक दांगी बगदा, वरिष्ठ पत्रकार रवि ठाकुर, पार्षद मुन्ना खान, पूर्व पार्षद संतोष लिटोरिया, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष अब्बास खान, पूर्व महासचिव आनंद शर्मा, पूर्व जनपद सदस्य वनमाली पाल, नरेंद्र गुर्जर, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष केपी यादव, संजू राजा परमार, संतोष चौबे, मोहन सिंह कुशवाहा, सोनू सरकार सहित कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गणेश चतुर्थी महोत्सव 14 सितंबर से, दुकानों पर गणेश प्रतिमाएं सजने लगी शहर में कई जगह दुकानदार भगवान श्री गणेश जी की प्रतिमाएं की कर रहे हैं बिक्री

पोरसा, जीएनएस।

प्रथम पूज्य भगवान श्री गणेश जी महाराज की आराधना का पर्व गणेश चतुर्थी महोत्सव 14 सितंबर से शुरू होने जा रहा है। गणेश उत्सव को लेकर शहर में तैयारियां तेज हो गई हैं। शहर की कई दुकानदार भगवान श्री गणेश जी की प्रतिमाओं की कर रहे हैं बिक्री शहर में दुकानों पर प्रतिमाएं सजने लगी,,,, विभिन्न स्थानों पर भगवान गणेश जी की आकर्षक झांकियां सजाने के लिए युवा वर्ग उत्साह के साथ तैयारियों में जुटा हुआ है। पंडालों को आकर्षक रूप देने के साथ ही विद्युत सजावट, धार्मिक कार्यक्रमों और भक्ति संगीत की तैयारियां भी की जा रही हैं।

भगवान श्री गणेश जी के मंदिर पर आचार्य आनंद शास्त्री के सानिध्य में,,श्रीनागाजी के मंदिर पर प्रभारी महंत शिवचरण दास महाराज की शानिध्य में ,, भगवान श्री गोवर्धन गिरिराज जी महाराज के मंदिर पर महंत रामकिशोर दास शास्त्री के सानिध्य में,,,बंसी वाले मंदिर पर पुजारी अवतार वन बाबा के सानिध्य में,,, लक्ष्मी नारायण मंदिर पर व्यवस्थापक मनोज अग्रवाल की शानिध्य में,,गल्ला मंडी परिसर में स्थित मंदिर पर मंदिर के बाबा राजे बाबा के सानिध्य में मंदिरों पर झांकियां सजेगी तथा शहर के अंदर पंडाल भी सहेंगी,,,,,,गणेश चतुर्थी के अवसर पर श्रद्धालु विधि-विधान के साथ भगवान गणेश जी की प्रतिमा स्थापित कर उनकी पूजा-अर्चना करेंगे। इसके बाद पूरे उत्सव के दौरान प्रतिदिन गणपति की आरती, भजन-कीर्तन एवं अन्य धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। शहर में जगह-जगह गणेश पंडालों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने की संभावना है।

स्थानीय आयोजकों के अनुसार गणेश महोत्सव का आयोजन 14 सितंबर से प्रारंभ होकर एकादशी एवं पूर्णिमा तक विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों के साथ चलेगा। इस दौरान भगवान गणेश जी की झांकियों को विशेष रूप से सजाया जाएगा। कई स्थानों पर अलग-अलग थीम पर झांकियां तैयार करने की योजना है, जिनमें धार्मिक एवं सामाजिक संदेश भी दिए जाएंगे।

युवा वर्ग में गणेश उत्सव को लेकर विशेष उत्साह दिखाई दे रहा है। युवा अपने-अपने क्षेत्रों में पंडाल तैयार करने, प्रतिमाओं की स्थापना, सजावट और विद्युत व्यवस्था को अंतिम रूप देने में जुटे हुए हैं। देर शाम तक तैयारियों का दौर जारी है। धार्मिक मान्यता के अनुसार भगवान श्री गणेश को प्रथम पूज्य देवता माना जाता है। किसी भी शुभ कार्य, धार्मिक अनुष्ठान या मांगलिक कार्य की शुरुआत भगवान गणेश की पूजा से करने की परंपरा है। उन्हें विघ्नहर्ता और मंगलकर्ता कहा जाता है। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि सच्चे मन और श्रद्धा से भगवान गणेश की आराधना करने से जीवन में आने वाले विघ्न दूर होते हैं और सुख-समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता है। भगवान गणेश बुद्धि, विवेक, ज्ञान और शुभता के प्रतीक भी माने जाते हैं। विद्यार्थियों द्वारा ज्ञान एवं सफलता के लिए, व्यापारी वर्ग द्वारा कारोबार में उन्नति के लिए तथा परिवारों द्वारा सुख-शांति और समृद्धि की कामना से गणपति की पूजा की जाती है। गणेश उत्सव केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह समाज में एकता, भाईचारे और सहयोग की भावना को भी मजबूत करता है। सामूहिक रूप से आयोजित होने वाले भजन, आरती और धार्मिक कार्यक्रमों में सभी वर्गों के लोग शामिल होते हैं। इससे आपसी मेल-जोल बढ़ता है और नई पीढ़ी को अपनी धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं से जुड़ने का अवसर मिलता है।

जरूरतमंद बच्चों को मिलेगी नि:शुल्क कंप्यूटर शिक्षा

फिरोजाबाद, जीएनएस।

आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद बच्चों को रोजगारपरक कंप्यूटर शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए एमवी प्रोफेशनल सोसाइटी ने पहल की है। अखिल भारतीय माथुरवैश्य महासभा के सानिध्य में परमेश्वर गेट स्थित मढ़वार स्कूल में निःशुल्क ई-लर्निंग सेंटर शुरू किया गया है। यहां बच्चों को एमएस ऑफिस और टैली अकाउंटिंग का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

सेंटर में एमएस वर्ड, एक्सेल, पावर प्वाइंट और टैली जैसे पाठ्यक्रमों की पढ़ाई कराई जाएगी। प्रशिक्षण का उद्देश्य बच्चों को तकनीकी रूप से दक्ष बनाकर रोजगार और स्वरोजगार के लिए तैयार करना है। सेंटर में पंजीकरण शुरू हो चुका है और अब तक 28 बच्चों का पंजीकरण किया जा चुका है। पहला बैच 13 सितंबर से शुरू होगा।

सेंटर के शुभारंभ से पहले तीन सितंबर को पूजा और हवन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें अखिल भारतीय माथुरवैश्य महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकेश कुमार गुप्ता मामा, शंकर गुप्ता, अश्वनी गुप्ता, सुनील सेठ, मनीष अलंकार, सचिन गुप्ता सहित समाज के लोग मौजूद रहे।

फिरोजाबाद क्लब में आयोजित प्रेसवार्ता में राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकेश कुमार गुप्ता मामा ने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को आधुनिक तकनीकी शिक्षा देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में यह प्रयास किया गया है। सीए भगवानदास गुप्ता और सीए शैलेंद्र मोहन ने कहा कि इस अभियान से फिरोजाबाद के साथ ही बाहर रह रहे स्वजातीय बंधुओं को भी जोड़ा जाएगा, ताकि जरूरतमंद बच्चों को हुनर के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाया जा सके।

बाबा नीम करौली की जन्मस्थली पर बनेगा भव्य कॉरिडोर

डीएम ने अकबरपुर-नागऊ पहुंचकर विकास कार्यों का लिया जायजा, पांच हेक्टेयर से अधिक भूमि खरीद की प्रक्रिया तेज

फिरोजाबाद, जीएनएस।

बाबा नीम करौली की जन्मस्थली अकबरपुर-नागऊ में पर्यटन सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। इसके लिए पर्यटन विभाग की ओर से भव्य कॉरिडोर बनाने की तैयारी है। जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने शुक्रवार को जन्मस्थली का स्थलीय निरीक्षण कर चल रहे और प्रस्तावित विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।

डीएम ने बताया कि प्रदेश सरकार ने पर्यटन नीति-2022 में संशोधन कर नीम करौली बाबा सर्किट को शामिल किया है। इसमें लखनऊ, फर्रुखाबाद, फिरोजाबाद की जन्मस्थली अकबरपुर-नागऊ और मथुरा-वृंदावन को जोड़ा गया है। इससे धार्मिक एवं आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलने के साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार और निवेश के अवसर बढ़ेंगे।

जन्मस्थली पर पहले चरण में 865.98 लाख रुपये की लागत से डॉरमेट्री, रेस्तरां, सभा स्थल, डिजिटल लाइब्रेरी, सीसी रोड, सेप्टिक टैंक, समरसेबुल पंप और साइट डेवलपमेंट के कार्य कराए जा रहे हैं। दूसरे चरण में 222.47 लाख रुपये से टॉयलेट ब्लॉक, गार्ड रूम, सीसी रोड, नाली, पेवर, ट्यूबवेल, बाहरी विद्युत और म्यूरल वर्क कराया जाना है।

ग्रामीण पर्यटन विकास के तहत 55.44 लाख रुपये की लागत से प्रवेश द्वार, साइनेज, बेंच और डस्टबिन सहित अन्य सुविधाएं विकसित की जा रही हैं।

बनेगा पर्यटन सुविधा केंद्र और म्यूजियम

डीएम ने बताया कि जन्मस्थली के समग्र विकास के लिए पांच हेक्टेयर से अधिक भूमि खरीदने की प्रक्रिया चल रही है। भूमि मिलने के बाद भव्य प्रवेश द्वार, पर्यटन सुविधा केंद्र एवं आश्रम, ध्यान-वेलनेस सेंटर, बहुउद्देशीय सभा स्थल, पार्किंग, फूड कोर्ट, म्यूजियम एवं इंटरप्रिटेशन सेंटर आदि।

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के लाइव क्विज़ ने टीएमकेओसी क्लब हाउस ऐप पर धूम मचाई

झाँसी, जीएनएस।

सोनी सब और नीला फिल्म प्रोडक्शन्स, भारत के सबसे लंबे समय तक चलने वाले और सबसे प्रिय पारिवारिक मनोरंजन शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा (टीएमकेओसी) के निर्माता, ने शो की 18-दिवसीय लाइव क्विज़ को सफलतापूर्वक संपन्न किया है, जिसे शो की 18वीं वर्षगाँठ के उत्सव का हिस्सा बनाकर आयोजित किया गया था। 1 से 21 अगस्त तक आयोजित इस क्विज़ में देशभर से लाखों दर्शकों ने भाग लिया, जिससे प्रशंसक अपने पसंदीदा शो 'टीएमकेओसी', उसके किरदारों और गोकुलधाम सोसाइटी की दुनिया का उत्सव मनाने के लिए एकजुट हुए। जैसे-जैसे विजेताओं की घोषणा हो रही है, यश संजीव साहू और उनका परिवार झाँसी से विजेता परिवारों में शामिल हुआ है।

टीएमकेओसी क्लब हाउस ऐप पर लाइव आयोजित, शो का आधिकारिक डिजिटल साथी, इस क्विज़ ने पूरे भारत के प्रशंसकों को गोकुलधाम सोसाइटी और उसके प्रिय निवासियों के बारे में अपनी जानकारी वास्तविक समय में परखने का अवसर दिया। क्विज़ से आगे भी यह ऐप प्रशंसकों को रोमांचक पुरस्कार देता है, जो उनके पसंदीदा टीएमकेओसी किरदारों पर आधारित मिनी गेम टूर्नामेंट्स के ज़रिए उपलब्ध होते हैं और टीएमकेओसी यूनिवर्स को एक नया और इंटरैक्टिव आयाम प्रदान करते हैं।

यश संजीव साहू और उनका परिवार गोकुलधाम सोसाइटी के प्रतिष्ठित सेट पर जाने का विशेष अवसर पाएगा, जहाँ वे तारक मेहता का उल्टा चश्मा की शूटिंग को नज़दीक से देख सकेंगे और शो की 18 साल की उपलब्धि को कलाकारों के साथ मिलकर मना सकेंगे, जैसा कि क्विज़ की शर्तों में बताया गया है। यह अनुभव सोनी सब और नीला फिल्म प्रोडक्शन्स द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जा रहा है।

असित कुमार मोदी, क्रिएटर प्रोड्यूसर, तारक मेहता का उल्टा चश्मा: ÷इस क्विज़ के लिए हमारे दर्शकों ने जो प्यार दिखाया है, वह वास्तव में अभिभूत करने वाला है। अठारह दिनों तक देशभर के परिवार हमारे साथ 18वीं वर्षगाँठ मनाने के लिए जुड़े, और यही हमारे लिए सबसे बड़ा पुरस्कार है। यह फिर से साबित करता है कि यह शो वास्तव में हर भारतीय घर का हिस्सा बन चुका है। लोगों की शानदार प्रतिक्रिया से उत्साहित होकर, हमने अपनी मूल योजना का विस्तार करने और 18 से अधिक परिवारों को गोकुलधाम सोसायटी आने के लिए आमंत्रित करने का निर्णय लिया है। तारक मेहता का उल्टा चश्मा ने वर्षों में दर्शकों के साथ एक विशेष रिश्ता बनाया है और क्विज़ की प्रतिक्रिया उस जुड़ाव का प्रमाण है। यह देखकर दिल को सुकून मिला कि परिवार 18 साल पूरे होने का उत्सव मनाने के लिए साथ आए।

जी.बी. पंत संस्थान में भारत रत्न पं. गोविंद बल्लभ पंत की जयंती मनाई गई

नई दिल्ली, जीएनएस।

जी.बी. पंत इंस्टीट्यूट ऑफ पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (जीआईपीएमईआर), नई दिल्ली में भारत रत्न पंडित गोविंद बल्लभ पंत की जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर संस्थान के अधिकारियों और कर्मचारियों ने पंडित गोविंद बल्लभ पंत के राष्ट्र और समाज के प्रति योगदान को याद करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का आयोजन संस्थान के ए-ब्लॉक में निदेशक कार्यालय के सामने स्थित पंडित गोविंद बल्लभ पंत की प्रतिमा के समक्ष किया गया। संस्थान की निदेशक, चिकित्सा अधीक्षक, वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी संख्या में कर्मचारी कार्यक्रम में शामिल हुए। सभी ने प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित कर पंत को भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर निदेशक ने कहा कि यह गर्व की बात है कि सभी को पंडित गोविंद बल्लभ पंत के नाम पर स्थापित प्रतिष्ठित संस्थान में कार्य करने का अवसर मिला है। पंत ने देश और समाज के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया, जो हमेशा प्रेरणा देता रहेगा। उनके विचार, आदर्श और राष्ट्रसेवा की भावना आज भी प्रासंगिक हैं।

उन्होंने कहा कि संस्थान में कार्यरत प्रत्येक व्यक्ति को अपने दायित्वों का निष्ठा, ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करना चाहिए। अस्पताल में आने वाले मरीजों और उनके परिजनों के प्रति संवेदनशीलता रखते हुए बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना ही पंडित गोविंद बल्लभ पंत के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

कार्यक्रम में अधिकारियों और कर्मचारियों ने पंत के जीवन तथा राष्ट्रहित में किए गए कार्यों को याद किया। उन्होंने संस्थान की गरिमा बनाए रखने और मरीजों की सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम का आयोजन जी.बी. पंत कर्मचारी यूनियन और अस्पताल प्रशासन के संयुक्त सहयोग से किया गया। आयोजन को सफल बनाने में यूनियन के किशोर राणा, नरेश कुमार, नितिन चौधरी, रामप्रवेश, जीवन नेगी और जगबीर सिंह सहित अन्य सदस्यों का योगदान रहा। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रसाद स्वरूप मिष्ठान वितरित किया गया।

मृत्यु के बाद थाली भरने से अधिक जरूरी है उस परिवार के आंसू पोंछना-यही सच्ची मानवता: सामाजिक चिंतक मुसरफ ख़ान

उत्तर प्रदेश, संजय सिंह।
सामाजिक चिंतक मुसरफ ख़ान ने भावनात्मक और मानवीय अपील की है कि किसी प्रियजन के निधन के बाद शोक में डूबे परिवार पर भोज का आर्थिक और सामाजिक बोझ डालने के बजाय उसे संवेदना, सहयोग और संबल दिया जाए। जिस घर में किसी मां की आंखें अपने बेटे के वियोग में नम हों, जहां पत्नी जीवनसाथी को खोकर टूट चुकी हो, वहां जाकर दावत का आनंद लेना आखिर किस प्रकार की मानवीय संवेदना है? सामाजिक चिंतक ने कहा कि मृत्यु जीवन का अंतिम सत्य है और ऐसे समय में परिवार को सबसे अधिक जरूरत सहारे और संवेदना की होती है। उन्होंने आग्रह किया कि मृतक की स्मृति में दिखावे और भव्य आयोजन के बजाय मौन प्रार्थना, श्रद्धांजलि, जरूरतमंदों की सहायता और पीड़ित परिवार के साथ खड़े होने की परंपरा को बढ़ावा दिया जाए।

उन्होंने कहा कि अनेक गरीब और मध्यमवर्गीय परिवार सामाजिक दबाव, लोकलाज और रिश्तेदारों की अपेक्षाओं के कारण अपनी आर्थिक क्षमता से कहीं अधिक खर्च कर मृत्युभोज आयोजित करने को विवश हो जाते हैं। कई बार परिवार को इसके लिए कर्ज तक लेना पड़ता है। ऐसे समय में जिस परिवार ने अपना प्रियजन खोया है, उसे आर्थिक संकट में धकेलना किसी भी मानवीय दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता।

उन्होंने गंभीर सवाल किया कि जिस परिवार के घर में चूल्हा जलाना मुश्किल हो, उससे सैकड़ों लोगों को भोजन कराने की अपेक्षा करना क्या न्याय है? समाज की जिम्मेदारी ऐसे परिवार पर खर्च का दबाव बढ़ाना नहीं, बल्कि उसके दुख और कठिन परिस्थितियों को समझते हुए उसके साथ खड़ा होना है। सामाजिक चिंतक मुसरफ ख़ान ने आगे कहा कि दिवंगत के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने के लिए तर्पण, प्रार्थना और ग़रीब जरूरतमंदों को दान जैसी परंपराओं का विशेष महत्व माना गया है। दिखावे, प्रतिस्पर्धा और अनावश्यक खर्च से जोड़ने के बजाय सादगी और सेवा की भावना से निभाया जाना चाहिए। उन्होंने समाज सुधार की दिशा में कार्य करने वाले महापुरुषों और संतों की शिक्षाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि सामाजिक कुरीतियों को केवल परंपरा के नाम पर जारी रखना उचित नहीं है। समय की मांग है कि ऐसी प्रथाओं पर स्वस्थ सामाजिक विमर्श हो और लोगों को जागरूक किया जाए। दिवंगत को सच्ची श्रद्धांजलि - परिवार के आंसू पोंछना श्री ख़ान ने कहा कि मृत्यु भोज में शामिल होने के बजाय यदि लोग शोकाकुल परिवार के घर पहुंचकर उसके दुख में सहभागी बनें, आर्थिक रूप से कमजोर परिवार की मदद करें, बच्चों की पढ़ाई या जरूरतों में सहयोग दें और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करें, तो यही अधिक मानवीय और सार्थक श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने अपील की कि लोकलाज से ऊपर उठकर मानवता को महत्व दें। मृत्युभोज की जगह संवेदना, सेवा, सादगी और सहयोग की संस्कृति विकसित की जाए, ताकि किसी परिवार के लिए अपने प्रियजन को खोने का दुख आर्थिक बोझ में न बदल जाए। मृत्यु के बाद थाली भरने से अधिक जरूरी है उस परिवार के आंसू पोंछना यही सच्ची मानवता है।

गुलमोहर एन्क्लेव सोसायटी में बिना कंप्लीशन सर्टिफिकेट पजेशन और 85.57 लाख IFMS का मामला गरमाया, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण, जिलाधिकारी व पुलिस कमिश्नर से गौरव बंसल ने की शिकायत

गाजियाबाद, जीएनएस।
राकेश मार्ग स्थित गुलमोहर एन्क्लेव सोसायटी में बिल्डर एसवीपी ग्रुप द्वारा कथित रूप से बिना कंप्लीशन सर्टिफिकेट के पजेशन दिए जाने और करीब ?85.57 लाख की वन-टाइम मेंटेनेंस/ढ्ढस्नरूस् राशि सोसायटी को उपलब्ध नहीं कराने का मामला अब गाजियाबाद विकास प्राधिकरण, जिलाधिकारी और पुलिस कमिश्नर तक पहुंच गया है। शुक्रवार को निवासी गौरव बंसल ने गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के प्रवर्तन-4 के अधिकारी पीयूष सिंह से मुलाकात कर शिकायत सौंपी। इसके साथ ही उन्होंने जिलाधिकारी एवं पुलिस कमिश्नर से भी मुलाकात कर पूरे मामले में प्रभावी कार्रवाई की मांग की। गौरव बंसल ने आरोप लगाया कि वर्ष 2006 में एसवीपी ग्रुप द्वारा गुलमोहर एन्क्लेव सोसायटी का निर्माण कर निवासियों को पजेशन देना शुरू कर दिया गया था। इसके बाद अक्टूबर 2009 में बिल्डर द्वारा सोसायटी का रखरखाव आरडब्ल्यूए को सौंप दिया गया। इसके बावजूद करीब दो दशक बीत जाने के बाद भी बिल्डर द्वारा सोसायटी का कंप्लीशन सर्टिफिकेट उपलब्ध नहीं कराया गया है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि सोसायटी का कंप्लीशन सर्टिफिकेट उपलब्ध नहीं था, तो बिल्डर द्वारा निवासियों को किस नियम, प्रावधान अथवा सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के आधार पर पजेशन दिया गया। शिकायत में इस पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की गई है।

शिकायत में करीब ?85,57,800 की वन-टाइम मेंटेनेंस/ढ्ढस्नरूस् राशि और उस पर देय ब्याज भी बिल्डर के पास लंबित होने का आरोप लगाया गया है। गौरव बंसल के अनुसार उक्त राशि सोसायटी को नहीं मिलने के कारण कई आवश्यक विकास एवं रखरखाव कार्य प्रभावित हो रहे हैं ।

नपा द्वारा प्रधानमंत्री आवास पर शिविर का आयोजन

गुना, जीएनएस।
नगर पालिका परिषद गुना द्वारा आज प्रधानमंत्री आवास पर आवास मेला हेतु शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य नगर पालिका अधिकारी शैलेश अवस्थी के निर्देश में आयोजित शिविर में 2 बीएचके (एल आई जी) भवनों की बिक्री सुनिश्चित करने के लिए शिविर का आयोजन किया गया है।

ज्ञात हो कि प्रधानमंत्री आवास स्थल जगनपुर में एक नयी लोकलिटी विकसित हो रही है, जहां प्रधानमंत्री आवास के नजदीक तहसील कार्यालय, एसडीएम कार्यालय,तात्याटोपे यूनिवर्सिटी,सांदीपनि विद्यालय आदि निर्मित हैं। प्रधानमंत्री आवास, शासन की सभी औपचारिकताओं से पूर्ण आवास है, जिनमें सभी प्रकार की सुविधाएं जैसे स्ट्रीट लाइट, ड्रेनेज, पेयजल की सुविधा उचित प्रकार से की गई है। जगह जगह पार्क, चौडी सडकें आवास स्थल को और भी पर्यावरण अनुकूल व आकर्षक बनाती हैं। मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री शैलेश अवस्थी ने बताया कि 2 बीएचके (एल आई जी) भवनों में शेष बचे भवनों को कोई भी नागरिक ले सकता है। वर्तमान में उपलब्ध

2 बीएचके (एल आई जी) भवनों को अपनी पसंद से भी पंजीयन करा सकते हैं। भवनों की कीमत फ्लोर वाइस 16,25,000 ? ,16,00,000 ? एवं 15,75000 ? निर्धारित की गई है जो वर्ष 2018 की निर्धारित दरों पर ही विक्रय किये जा रहे हैं।

आरोन में दिनदहाड़े सूने मकान के ताले चटकाए

सरकारी लैपटॉप, राशन और भगवान की पीतल की मूर्तियां पार, चोरी का मामला दर्ज

गुना, जीएनएस।
जिले के आरोन थाना क्षेत्र अंतर्गत ब्लॉक कॉलोनी में दिनदहाड़े चोरी का एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है। अज्ञात चोर ने एक सूने मकान में घुसबैठ कर न केवल सरकारी लैपटॉप और पीतल की मूर्तियां चुराईं, बल्कि महीने भर का राशन और टूल बॉक्स भी समेट ले गया। फरियादी रिंकू ओझा (35) निवासी ब्लॉक कॉलोनी आरोन ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई कि 7 सितंबर की सुबह वे कोर्ट की पेशी के लिए गुना चले गए थे, बच्चे स्कूल और पत्नी प्रतिभा ओझा ड्यूटी पर चली गई थीं। दोपहर करीब 1ः30 बजे जब पत्नी घर लौटीं, तो ताला खोलकर अंदर का सामान अस्त-व्यस्त पाया। जांच करने पर

पता चला कि अज्ञात चोर गैलरी के रास्ते घर में घुसा और वहां से सरकारी लैपटॉप, घरेलू राशन, लक्ष्मी जी व लड्डू गोपाल जी की पीतल की मूर्तियां, मोटर साइकिल की चाबियां और टूल बॉक्स चुरा ले गया। चोरी गए सामान की कुल कीमत करीब 25,000 रुपये बताई गई है। फरियादी की शिकायत पर आरोन थाना पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध कायम कर तलाश शुरू कर दी है।

यातायात को सुगम बनाने मुख्य मार्गों से हटाया अस्थाई अतिक्रमण

ग्वालियर, जीएनएस।
नगर निगम के मदाखलत अमले द्वारा सुगम यातायात के लिए शहर के विभिन्न स्थानों से अस्थाई अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। नोडल अधिकारी मदाखलत श्री केशव सिंह चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देशानुसार मदाखलत अधिकारी श्री शैलेंद्र सिंह चौहान के निर्देशन में पूर्व विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत दर्पण कॉलोनी 8 दुकानों के पास रोड पर लगे पाइप ऐंगल कैंची गेट को जे सी बी द्वारा निकलवा कर जप्त की। कार्रवाई के दौरान भवन अधिकारी श्री यशवंत मैकले, जोनल ऑफिसर सुश्री तनुजा वर्मा उपस्थित रहे। दर्पण कॉलोनी के अंदर गली में रोड पर कबाड़े वाले के द्वारा रखे हाथ ठेलो को टाइम कीपर के साथ हटवाया तथा जप्त सामान को मदाखलत कार्यालय पर जमा किया। इसके पश्चात मुरार बारादरी चौराये से सदर बाजार, अग्रसेन चौराया, गणेश मंदिर, गर्म सड़क, गर्ल्स कॉलेज तक हाथ ठेले वालों फुटपाथियो दुकानदारों के सामान को हटवाये जाने की कार्रवाई की। उक्त कार्रवाई में मदाखलत निरीक्षक श्री सुघर सिंह सिसोदिया व दल पूर्व उपस्थिति रहा। इसके साथ ही मदाखलत अधिकारी श्री रवि कुमार कोरी के निर्देशन में ग्वालियर विधानसभा अंतर्गत पागलखाना क्षेत्र से हाथ ठेले व गुमटी को हटवाया जाकर हाथ ठेला व गुमटी मदाखलत कार्यालय पर भिजवाया गया।

साथ ही किलागेट रोड़ इंटक मैदान रोड़, चार शहर का नाका रोड़, हजीरा चौराहा पर यातायात में बाधक हाथ ठेले वालों को हटवाया गया। साथ ही मदाखलत अधिकारी श्री सतेंद्र सिंह भदौरिया के निर्देशन में महाराज बाड़ा अंतर्गत सुभाष मार्केट, नजरबाग मार्केट, टोपी बाजार, एसबीआई बैंक, हेमू चौक, छापाखाना, स्काउट, गाँधी मार्केट के मुख्य मार्गों से हाथ ठेले, फुटपातियों के फड़ को हटवाया जाकर मुख्य मार्ग क्लियर करवाया गया। साथ ही चिटनीस की गोठ में नाली निर्माण कार्य में बाधित दुकानदार द्वारा बनाए गए पक्के चबूतरे को क्षेत्राधिकारी श्री विपिन दुबे के निर्देशान में हटवाया गया। उक्त कार्रवाई के दौरान मदाखलत निरीक्षक श्री आजाद खान सहित दल दक्षिण एबं टाइमकीपर श्री योगेश तोमर मौके पर उपस्थित रहे।

भिण्ड-गोरमी के समाचार विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
महेश चौधरी
98267-36233

निष्पक्षता-विश्वसनीयता एवं जनहित का संवाहक
श्रमसाधना

संपादकीय

ढहती इमारतें, ढहता भरोसा

जब कोई इमारत ढहती है तो हमारी नजरें आमतौर पर टूटी दीवारों, गिरी छतों और मलबे के ढेर पर टिक जाती हैं। लेकिन इस भौतिक विनाश के पीछे एक बड़ा सवाल छिपा होता है–क्या केवल इमारत विफल हुई या उसके पीछे खड़ी व्यवस्था भी? इमारतें हमें आश्रय, सुरक्षा और स्थिरता देने के लिए बनाई जाती हैं। उनकी मजबूती केवल ईंट, सीमेंट और लोहे पर निर्भर नहीं करती। सही योजना, गुणवत्तापूर्ण सामग्री, कुशल निर्माण, तकनीकी निगरानी, नियमित निरीक्षण और समय पर रखरखाव भी उतने ही जरूरी हैं। इनमें से किसी एक स्तर पर गंभीर लापरवाही हो तो सुरक्षित आश्रय खतरे में बदल सकता है। इसीलिए किसी इमारत का ढहना केवल अभियंत्रण की विफलता मानकर मामला समाप्त नहीं किया जा सकता। इसके पीछे कमजोर निगरानी, निर्माण मानकों की अनदेखी, अनधिकृत निर्माण, घटिया सामग्री, सुरक्षा नियमों का उल्लंघन, भ्रष्टाचार अथवा वर्षों से लंबित रखरखाव जैसे कारण भी हो सकते हैं। हर इमारत के गिरने से पहले उसकी एक कहानी होती है। दीवारों में बढ़ती दरारें, नींव की कमजोरी, पानी का रिसाव, जर्जर खंभे, छत का झुकना या बिना विशेषज्ञ सलाह के किए गए निर्माण संबंधी बदलाव संभावित चेतावनी संकेत हो सकते हैं। यदि इन्हें समय रहते गंभीरता से लिया जाए तो कई हादसों को रोका जा सकता है। लेकिन जब खतरे के संकेतों को नजरअंदाज किया जाता है तो टाली जा सकने वाली दुर्घटना भी बड़ी त्रासदी में बदल जाती है। ऐसी घटनाओं में सबसे बड़ी क्षति संपत्ति की नहीं, मानव जीवन की होती है। इमारत फिर बनाई जा सकती है, लेकिन किसी परिवार से बिछड़े व्यक्ति को वापस नहीं लाया जा सकता। हादसे के बाद प्रभावित परिवार केवल अपने प्रियजन नहीं खोते, बल्कि समुदाय की सुरक्षा की भावना भी कमजोर होती है। लोगों के मन में सवाल उठता है कि जिन व्यवस्थाओं पर उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी है, वे वास्तव में कितनी जवाबदेह हैं? यहीं से जनविश्वास का प्रश्न सामने आता है। नागरिकों को भरोसा होना चाहिए कि भवन निर्माण नियम केवल कागजों में दर्ज प्रावधान नहीं हैं, बल्कि उनका निष्पक्ष और प्रभावी पालन भी होता है। खतरनाक इमारतों की पहचान दुर्घटना के बाद नहीं, उससे पहले होनी चाहिए। इसलिए बचाव और राहत से अधिक महत्वपूर्ण रोकथाम है। पुरानी और कमजोर इमारतों का नियमित संरचनात्मक निरीक्षण होना चाहिए। निर्माण की गुणवत्ता की हर चरण पर जांच होनी चाहिए। अनधिकृत निर्माण और असुरक्षित बदलावों पर समय रहते कार्रवाई जरूरी है। इंजीनियरों, निर्माणकर्ताओं, अधिकारियों और भवन मालिकों को समझना होगा कि सुरक्षा कोई औपचारिकता नहीं, बल्कि जीवन से जुड़ी जिम्मेदारी है। नागरिकों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। दीवारों में गंभीर दरार, छत से लगातार पानी रिसना या किसी हिस्से के कमजोर होने जैसे संकेत दिखाई दें तो उन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। केवल मरम्मत की लागत या असुविधा के कारण असुरक्षित भवन में रहना जीवन के साथ बड़ा जोखिम हो सकता है। समय पर सूचना और विशेषज्ञ जांच कई जानें बचा सकती है। मजबूत समाज वह नहीं है, जहां दुर्घटना के बाद प्रभावशाली राहत और बचाव अभियान चलाए जाएं। मजबूत समाज वह है, जहां संभावित दुर्घटना को पहले ही पहचानकर रोक लिया जाए।

प्रान्तीय कार्यालय : 76 शबरी कॉम्प्लेक्स, एम.पी. नगर जोन-2 भोपाल, फोन : 0755-2579530
प्रान्तीय ब्यूरो प्रमुख : एल.एन. तवर, 9827781209
प्रान्तीय ब्यूरो : डॉ. जानकी अहिरवार 9406580345
Email:shramsadhnagwl@gmail.com

विकास के रास्ते में अडिग 170 साल की आस्था

धर्म और अध्यात्म की नगरी उज्जैन में सिंहस्थ 2028 की तैयारियां जोर पकड़ रही हैं। शहर को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित करने के लिए सड़कें चौड़ी की जा रही हैं, यातायात व्यवस्था को नया स्वरूप दिया जा रहा है और विकास की नई रेखाएं खींची जा रही हैं। लेकिन इसी विकास यात्रा के बीच कंठाल से छत्री चौक और बड़े सराफा मार्ग पर स्थित करीब 170 वर्ष पुराने खड़े हनुमान मंदिर से जुड़ी एक घटना ने विज्ञान, तकनीक और आस्था–तीनों को एक साथ सोचने पर विवश कर दिया है।

सड़क चौड़ीकरण के लिए मंदिर की प्रतिमा को नए स्थान पर ले जाने की प्रक्रिया शुरू हुई। प्रशासन, अभियंता और आधुनिक तकनीक से लैस विशेषज्ञ पिछले तीन दिनों से प्रयास कर रहे हैं। मशीनें हैं, तकनीक है, विशेषज्ञता है और प्रतिमा को सुरक्षित स्थानांतरित करने की पूरी तैयारी भी है। लेकिन इन तमाम प्रयासों के बावजूद हनुमान जी की प्रतिमा अपने स्थान से टस से मस नहीं हुई।

विज्ञान के पास हर समस्या के पीछे कोई न कोई गणना होती है। मशीनों की अपनी क्षमता है और अभियंत्रण की अपनी तकनीक। लेकिन जब तमाम गणनाएं और प्रयास किसी एक बिंदु पर आकर रुक जाएं तो मनुष्य के भीतर एक दूसरा प्रश्न जन्म लेता है–क्या हर चीज को केवल तकनीक और तर्क के आधार पर ही समझा जा सकता है?

यहीं से आस्था का संसार शुरू होता है।

आस्था विज्ञान को गलत नहीं ठहराती। भारतीय आध्यात्म तो विज्ञान और ज्ञान, दोनों का सम्मान करता है। लेकिन आध्यात्म यह जरूर कहता है कि संसार में कुछ अनुभूतियां ऐसी भी हैं, जिन्हें केवल उपकरणों से नापा नहीं जा सकता। श्रद्धा को मीटर से नहीं मापा जा सकता, विश्वास को मशीन से नहीं तौला जा सकता और किसी स्थान की आध्यात्मिक ऊर्जा को केवल गणित के सूत्रों में बांधना संभव नहीं।

हनुमान जी की प्रतिमा का स्थान से न हटना वैज्ञानिक दृष्टि से किसी तकनीकी या भौतिक कारण का परिणाम हो सकता है। प्रतिमा का वजन, उसकी संरचना, नींव, जमीन के भीतर उसकी स्थिति अथवा कोई अन्य अभियंत्रण संबंधी कारण इसके पीछे हो सकता है। इन संभावनाओं को नकारा नहीं जा सकता। लेकिन श्रद्धालु इसे अपनी आस्था की दृष्टि से देखते हैं। उनके लिए यह घटना किसी संकेत से कम नहीं–मानो स्वयं बजरंगबली कह रहे हों कि जहां सदियों से मेरी उपस्थिति रही है, वहां से मुझे हटाना इतना सरल नहीं।

यही भारतीय संस्कृति की खूबसूरती है। हमारे यहां मंदिर केवल पत्थरों से बनी इमारत नहीं होते। वे पीढ़ियों की स्मृतियों, विश्वास, प्रार्थनाओं और भावनाओं के केंद्र होते हैं। 170 वर्ष किसी इमारत की उम्र भर नहीं, बल्कि लगभग दो शताब्दियों की आस्था का इतिहास हैं। कितने लोगों ने वहां माथा टेका होगा, कितनों ने संकट के समय हनुमान जी को पुकारा होगा, कितनी मन्नतें मांगी गई होंगी और कितनी आंखों ने वहां पहुंचकर शांति पाई होगी–इसका हिसाब किसी सरकारी रिकॉर्ड में नहीं मिलेगा।

शायद इसलिए किसी प्राचीन देवस्थान को हटाने की बात केवल जमीन और सड़क का मामला नहीं रह जाती। वह सीधे लोगों की भावनाओं से जुड़ जाती है।

उज्जैन स्वयं इस बात का जीवंत उदाहरण है कि यहां आधुनिकता और अध्यात्म साथ-साथ चलते हैं। एक ओर सिंहस्थ जैसा विशाल आयोजन आधुनिक व्यवस्थाओं की मांग करता है, तो दूसरी ओर यही नगरी महाकाल की नगरी है, जहां समय की गणना भी अध्यात्म के स्पर्श से अर्थ पाती है।

विकास आवश्यक है। सड़कें चौड़ी हों, यातायात सुगम हो, शहर सुंदर और सुविधाजनक बने–इससे किसी को आपत्ति नहीं हो सकती। लेकिन विकास की सबसे बड़ी सफलता तब होगी, जब वह विरासत को मिटाए बिना आगे बढ़े। मशीनें सड़क को चौड़ा कर सकती हैं, लेकिन लोगों के मन में बसे विश्वास के लिए रास्ता सम्मान से बनाना पड़ता है।

कौन जानता है कि इस घटना का अंतिम परिणाम क्या होगा? प्रतिमा अंततः स्थानांतरित होगी या उसके लिए कोई दूसरा समाधान निकलेगा, यह भविष्य बताएगा। लेकिन कई दिनों से चल रहे प्रयासों ने एक बात जरूर स्पष्ट कर दी है–मनुष्य कितना भी आधुनिक क्यों न हो जाए, उसके भीतर आस्था के लिए एक ऐसा स्थान हमेशा बचा रहता है, जहां विज्ञान की भाषा समाप्त होते ही श्रद्धा की भाषा शुरू हो जाती है।

इस घटना ने हमें यह सोचने के लिए जरूर विवश किया है कि आधुनिकता की दौड़ में अपनी जड़ों को विस्थापित करके कोई समाज सचमुच आगे नहीं बढ़ सकता। जहां विज्ञान की शक्ति किसी प्रश्न का उत्तर देने में असमर्थ हो, वहां आस्था को अंधविश्वास कहकर खारिज करने के बजाय उसे समझने की विनम्रता भी होनी चाहिए। क्योंकि विकास वही श्रेष्ठ है, जो रास्ते चौड़े करे, लेकिन संस्कृति और श्रद्धा के रास्ते संकरे न होने दे।

विज्ञान जहां निरुत्तर हो जाता है, वहीं से आस्था और अध्यात्म का संवाद शुरू होता है। और शायद यही इस 170 वर्ष पुराने देवस्थान का सबसे बड़ा संदेश है–शक्ति केवल मशीनों में नहीं होती, शक्ति उस विश्वास में भी होती है, जिसके आगे करोड़ों सिर श्रद्धा से झुकते हैं।

खेल, जन-जागरूकता और पर्यावरण संरक्षण का अनूठा संगम

ईगल्स से महासागर तक -पक्षी ही पक्षियों की मदद कर रहे हैं

डॉ. विजय गर्ग

पक्षियों की दुनिया अद्भुत संबंधों और प्राकृतिक आश्चर्यों से भरी हुई है। अलग-अलग प्रजातियों के पक्षी भले ही अलग-अलग वातावरण में रहते हों, लेकिन कभी-कभी मानवीय प्रयास उन्हें एक साझा उद्देश्य से जोड़ देते हैं। ऐसा ही एक रोचक संबंध फिलाडेल्फिया ईगल्स और प्रवासी समुद्री पक्षियों के संरक्षण के बीच दिखाई देता है।

फिलाडेल्फिया ईगल्स एक प्रसिद्ध अमेरिकी फुटबॉल टीम है, लेकिन उसका नाम और पहचान अब पक्षी संरक्षण के व्यापक संदेश से भी जुड़ रहे हैं। 'पक्षी ही पक्षियों की मदद करें' की यह भावना बताती है कि खेल, जन-जागरूकता और पर्यावरणीय जिम्मेदारी मिलकर किसी सार्थक उद्देश्य को कितनी दूर तक पहुंचा सकते हैं।

प्रवासी समुद्री पक्षी महासागरों और महाद्वीपों के पार लंबी और कठिन यात्राएं करते हैं। भोजन, विश्राम और प्रजनन के लिए वे स्वच्छ समुद्र तटों, द्वीपों, आर्द्रभूमियों और तटीय क्षेत्रों पर निर्भर रहते हैं। हजारों किलोमीटर की अपनी यात्रा में उन्हें आवासों के विनाश, समुद्री प्रदूषण, मछली पकड़ने से जुड़े खतरों, जलवायु परिवर्तन और प्रजनन स्थलों पर बढ़ते मानवीय हस्तक्षेप जैसी अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

ऐसे में जनसमर्थन और जन-जागरूकता का महत्व बढ़ जाता है। एक लोकप्रिय खेल टीम लाखों लोगों तक पर्यावरण संरक्षण का संदेश पहुंचा सकती है। जब 'ईगल्स' जैसे नाम से जुड़ा संगठन वास्तविक पक्षियों और उनके संरक्षण की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित करता है तो पर्यावरण का कोई जटिल मुद्दा अधिक सहज, रोचक और यादगार बन जाता है।

यह पहल हमें यह भी याद दिलाती है कि प्रकृति का संरक्षण केवल वैज्ञानिकों, वन्यजीव विशेषज्ञों या पर्यावरण संगठनों की जिम्मेदारी नहीं है। स्कूल, खेल संस्थाएं, व्यवसाय, सामाजिक संगठन, स्थानीय समुदाय और सामान्य नागरिक भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

समुद्र तटों को स्वच्छ रखना, प्लास्टिक प्रदूषण कम करना, पक्षियों के घोंसले और प्रजनन स्थलों वाले क्षेत्रों में अनावश्यक हस्तक्षेप से बचना तथा संरक्षण कार्यक्रमों को समर्थन देना छोटे कदम दिखाई दे सकते हैं, लेकिन जब यही प्रयास बड़ी संख्या में लोग मिलकर करते हैं तो उनका प्रभाव व्यापक हो जाता है। इस पूरे प्रयास में एक सुंदर प्रतीकात्मक संदेश भी छिपा है। ईगल शक्ति और स्वतंत्रता का प्रतीक है, जबकि प्रवासी समुद्री पक्षी धैर्य, दिशा-बोध और लंबी यात्रा की अद्भुत क्षमता का प्रतीक हैं। दोनों हमें आकाश में मौजूद जीवन की असाधारण विविधता की याद दिलाते हैं। पक्षियों का संरक्षण अंततः मनुष्य के लिए भी लाभकारी है। पक्षी पारिस्थितिकी तंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। वे कीटों की संख्या नियंत्रित करने, बीजों के प्रसार, पोषक तत्वों के पुनर्चक्रण और प्राकृतिक पर्यावरण के स्वास्थ्य का संकेत देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। किसी क्षेत्र में पक्षियों की संख्या और विविधता में होने वाला बदलाव कई बार वहां के पर्यावरण की स्थिति का संकेत भी देता है। प्रकृति का कोई भी हिस्सा अकेला नहीं है। एक समुद्री पक्षी हजारों किलोमीटर दूर उड़ता है, लेकिन उसके अस्तित्व से जुड़ी परिस्थितियां किसी दूसरे महाद्वीप की मानवीय गतिविधियों से प्रभावित हो सकती हैं। इसी तरह किसी एक तट की स्वच्छता केवल वहां रहने वाले पक्षियों के लिए नहीं, बल्कि पूरे समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र के लिए महत्वपूर्ण हो सकती है।

शिवपुरी जिले के करेरा ओर पिछोर के कुछ इलाकों में जहरीली शराब के खिलाफ महिलाओं में भारी आक्रोश के मध्य नजर अभिभाषक संघ के जिला अध्यक्ष विजय तिवारी ने चलाई कानूनी प्रक्रिया

(जहरीली शराब के खतरे को लेकर जिला अभिभाषक संघ अध्यक्ष ने चार अधिकारियों को भेजा वैधानिक सूचना पत्र)

!! जनमन वाणी जसमन सिंह मौर्य की कलम से !!

शिवपुरी। सागर जिले में जहरीली शराब से हुई मौतों के बाद अब शिवपुरी जिले में भी अवैध एवं कथित जहरीली शराब के कारोबार को लेकर सवाल उठने लगे हैं। महिलाओं में भारी आक्रोश की स्थिति के चलते जिला अभिभाषक संघ शिवपुरी के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता विजय तिवारी ने व्यापक लोकहित का हवाला देते हुए मध्यप्रदेश शासन के वाणिज्य कर विभाग के प्रमुख सचिव, आबकारी आयुक्त, प्रधान मुख्य वन संरक्षक तथा शिवपुरी पुलिस अधीक्षक को वैधानिक सूचना पत्र भेजकर तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

10 सितंबर 2026 को जारी सूचना पत्र में अधिवक्ता तिवारी ने आरोप लगाया है कि शिवपुरी जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में अवैध शराब का कारोबार खुलेआम संचालित हो रहा है तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों की भूमिका की जांच आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सागर जिले में जहरीली शराब से हुई मौतों के बाद शिवपुरी में भी ऐसी किसी घटना की आशंका को गंभीरता से लेते हुए प्रभावी कार्रवाई की जानी चाहिए।

सूचना पत्र में राष्ट्रीय राजमार्गों के आसपास शराब दुकानों के संचालन का मुद्दा भी उठाया गया है। अधिवक्ता ने दावा किया है कि शिवपुरी जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 46 एवं 25 के आसपास

कई शराब दुकानें संचालित हो रही हैं। उन्होंने संबंधित दुकानों की स्थिति की जांच कर यह सुनिश्चित करने की मांग की है कि न्यायालय एवं शासन के निर्धारित मानकों का पालन हो रहा है या नहीं।

वैधानिक सूचना पत्र में ग्रामीण क्षेत्रों की किराना दुकानों के माध्यम से कथित रूप से शराब की बिक्री होने का भी आरोप लगाया गया है। कुछ स्थानों पर स्कूलों के आसपास ऐसी गतिविधियां होने की बात कहते हुए अधिवक्ता ने आबकारी एवं पुलिस विभाग से प्रभावी कार्रवाई की मांग की है।

सूचना पत्र में शराब की कीमतों को लेकर भी गंभीर आरोप लगाए गए हैं। अधिवक्ता विजय तिवारी ने दावा किया है कि कुछ ग्रामीण क्षेत्रों में शराब निर्धारित न्यूनतम मूल्य से कम तथा शहरी क्षेत्रों में एमआरपी से अधिक कीमत पर बेची जा रही है। उन्होंने सेसई एवं पड़ौरा शराब समूह की दुकानों का उदाहरण देते हुए पूरे मामले की जांच की मांग की है।

सूचना पत्र में देहात थाना क्षेत्र में कब्रिस्तान के समीप वन विभाग की भूमि पर कथित रूप से कच्चे मकानों में अवैध शराब निर्माण एवं बिक्री का भी आरोप लगाया गया है। पत्र के अनुसार, यहां बड़ी मात्रा में अवैध शराब बनाए और बेचे जाने की शिकायत है तथा कथित रूप से शराब निर्माण में यूरिया एवं अन्य रसायनों के इस्तेमाल की बात कही गई है।

अधिवक्ता ने इस संबंध में यह भी आरोप लगाया है कि संबंधित विभागों के अधिकारियों को कथित अवैध कारोबार की जानकारी होने के बावजूद कार्रवाई नहीं की जा रही है। उन्होंने अधिकारियों एवं अवैध शराब कारोबारियों के बीच कथित सांठगांठ और लेन-देन के आरोपों की भी जांच की मांग की है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। वैधानिक सूचना पत्र में संबंधित स्थल की वीडियो रिकॉर्डिंग उपलब्ध होने का दावा भी किया गया है। अधिवक्ता ने प्रशासन से मौके की जांच, अवैध शराब निर्माण एवं बिक्री पर तत्काल रोक तथा दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों एवं जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की मांग की है।

अधिवक्ता विजय तिवारी ने सूचना पत्र में कहा है कि संबंधित विभाग अपने दायित्वों का समुचित निर्वहन करते हुए लोकहित से जुड़े इन मामलों में त्वरित कार्रवाई करें और की गई कार्रवाई से उन्हें अवगत कराएं। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि अवैध एवं कथित जहरीली शराब के कारण किसी नागरिक को क्षति पहुंचती है तो संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जानी चाहिए।

अब देखना यह होगा कि इस वैधानिक सूचना पत्र के बाद आबकारी, वन एवं पुलिस विभाग द्वारा लगाए गए आरोपों की जांच के लिए क्या कदम उठाए जाते हैं और कथित अवैध शराब कारोबार के विरुद्ध प्रशासन किस स्तर की कार्रवाई करता है।

दिनारा क्षेत्र में अवैध शराब के खिलाफ ग्रामीणों ने खोला मोर्चा

दिनारा/शिवपुरी। दिनारा थाना क्षेत्र में कथित रूप से खुलेआम चल रही अवैध कच्ची एवं पक्की शराब की बिक्री के खिलाफ ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों ने थाना प्रभारी दिनारा को शिकायत पत्र सौंपकर क्षेत्र में विशेष अभियान चलाकर अवैध शराब के कारोबार पर रोक लगाने तथा दोषियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की मांग की है।

ग्रामीणों का आरोप है कि थाना क्षेत्र के अनेक गांवों में कमीशन के आधार पर अवैध शराब के ठिकाने संचालित किए जा रहे हैं। शिकायत में अशोक होटल क्षेत्र, आवास, डाबर, देही, कूड़, चिरली, सहरिया, कुचलौन, चोसीजा, दिनारा, सेओड़ी, दबरा, बेसुरा, ढांड, खिरिया, बम्हारी, छितीपुर, डामरोन और थनरा सहित अन्य गांवों में अवैध शराब बिक्री की शिकायतें सामने आने का उल्लेख किया गया है।

ग्रामीणों का कहना है कि अवैध शराब के कारण युवा वर्ग तेजी से नशे की गिरफ्त में आ रहा है। वहीं महिलाओं और परिवारों पर भी इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। घरेलू विवाद, मारपीट, चोरी तथा अन्य असामाजिक गतिविधियों में वृद्धि की आशंका जताते हुए ग्रामीणों ने कहा कि अवैध शराब का कारोबार क्षेत्र की सामाजिक शांति और कानून-व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। शिकायतकर्ताओं ने पुलिस से मांग की है कि अवैध शराब बनाने, रखने, परिवहन करने और बेचने वालों के खिलाफ आबकारी अधिनियम सहित अन्य प्रासंगिक कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाए। साथ ही कमीशन के आधार पर संचालित बताए जा रहे शराब बिक्री के ठिकानों की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार लोगों को चिन्हित करने की मांग की गई है। ग्रामीणों ने पुलिस एवं आबकारी विभाग की संयुक्त टीम गठित कर नियमित छापामार कार्रवाई करने तथा दिनारा क्षेत्र को अवैध शराब के कारोबार से मुक्त कराने की मांग की है। उनका कहना है कि समय रहते प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई तो अवैध शराब का कारोबार सामाजिक समस्या को और गंभीर रूप दे सकता है।

विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के नेतृत्व में स्कूल में मनाया गया स्थापना दिवस, बच्चों को दी गई नैतिक शिक्षा

विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और बजरंग दल के संयुक्त तत्वावधान में आज एक स्थानीय विद्यालय में विशेष आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को विश्व हिंदू परिषद की स्थापना के इतिहास, उसके उद्देश्यों और भारतीय संस्कृति के मूल्यों से अवगत कराना था।कार्यक्रम का संचालन जिला नैतिक शिक्षा प्रमुख एवं विवेकानंद प्रखंड प्रभारी श्री सूरज शाक्य जी के नेतृत्व में किया गया।

- संतोष सराठे जी - संगठन मंत्री, ग्वालियर विभाग (विहिप) -

मुख्य अतिथि

- श्री पप्पू राठौर जी - विभाग मंत्री
- श्री सूरज शाक्य जी - जिला नैतिक शिक्षा प्रमुख एवं विवेकानंद प्रखंड प्रभारी
- श्रीमती कटारे मैडम
- साथ ही समस्त शिक्षकगण

और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के मुख्य बिंदु :-

1. स्थापना दिवस की जानकारी - अतिथियों ने बच्चों को विश्व हिंदू परिषद के स्थापना दिवस के इतिहास और राष्ट्र निर्माण में इसके योगदान के बारे में विस्तार से बताया।
2. नैतिक शिक्षा का महत्व - वक्ताओं ने विद्यार्थियों के जीवन में अनुशासन, संस्कारों और नैतिक शिक्षा की अनिवार्यता पर जोर दिया।
3. छात्रों की सहभागिता - विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया और सांस्कृतिक-नैतिक मूल्यों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। अंत में श्री सूरज शाक्य जी ने सभी अतिथियों, विद्यालय परिवार और छात्र-छात्राओं का आभार व्यक्त किया।

दिग्विजय सिंह के छोटे भाई पूर्व सांसद लक्ष्मण सिंह ने आर्थिक आधार पर आरक्षण की वकालत की, बोले- आंदोलनकारियों के साथ हूं, बुलाओगे तो आऊंगा

गुना। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के छोटे भाई, पूर्व सांसद एवं विधायक लक्ष्मण सिंह ने आरक्षण व्यवस्था को लेकर एक बेहद बड़ा और बेबाक बयान दिया है। उन्होंने जातिगत आरक्षण व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए आर्थिक आधार पर आरक्षण दिए जाने की पुरजोर वकालत की है। श्री सिंह ने सोशल मीडिया के माध्यम से जारी अपने एक विशेष संदेश में देश और प्रदेश की राजनीति, चुनाव प्रणाली तथा सामाजिक ताने-बाने को लेकर कई गंभीर विचार साझा किए हैं।

जब मैं सांसद और विधायक था, तब भी यही कहता था

पूर्व सांसद व विधायक लक्ष्मण सिंह ने अपने संदेश में स्पष्ट कहा कि देश में आरक्षण केवल और केवल आर्थिक आधार पर होना चाहिए। उन्होंने कहा, जब मैं सांसद और विधायक था, तब भी यही बात कहता था और आज भी अपनी इसी बात पर पूरी तरह कायम हूं कि आर्थिक आधार पर ही आरक्षण दिया जाना चाहिए। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हमने पूरे देश को धर्म और जातियों में बांटकर रख दिया है। आज देश में चुनाव भी पूरी तरह से जाति के आधार पर लड़े और जीते जा रहे हैं, जो कि समाज के लिए बिल्कुल भी अच्छा संदेश नहीं है।

18 वर्षों के अनुभव वालीं रजनी राठौर बनीं खाचरोद की अध्यक्ष

खाचरोद, जिला उज्जैन। ब्यूटी इंडस्ट्री में पिछले 18 वर्षों से अपनी अलग पहचान बनाने वालीं वरिष्ठ ब्यूटी विशेषज्ञ एवं प्रोफेशनल मेकअप आर्टिस्ट रजनी राठौर को राष्ट्रीय स्तर पर कार्यरत ब्यूटी पार्लर एसोसिएशन की खाचरोद अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

एसोसिएशन के डायरेक्टर नीरज जैन ने बताया कि रजनी राठौर के लंबे अनुभव, उत्कृष्ट कार्यशैली, नेतृत्व क्षमता एवं ब्यूटी इंडस्ट्री में उल्लेखनीय योगदान को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनकी नियुक्ति का निर्णय राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्मला त्रिपाठी, डायरेक्टर नीरज जैन, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विजया पालीवाल एवं राष्ट्रीय सचिव सीमा जैन के नेतृत्व में आयोजित बैठक में सभी पदाधिकारियों की सर्वसम्मति से लिया गया।

रजनी राठौर को एसोसिएशन से जोड़ने की पहल उज्जैन उपाध्यक्ष रूबी यादव ने की। रजनी जी के कार्य एवं समर्पण को देखते हुए रूबी यादव ने उन्हें एसोसिएशन से जुड़कर अपनी सेवाएं देने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद उज्जैन अध्यक्ष रीना खंडेलवाल एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विजया पालीवाल से चर्चा के बाद उनकी नियुक्ति को अंतिम रूप दिया गया।

21 जुलाई 2008 से शुरू किया सफर

रजनी राठौर ने 21 जुलाई 2008 को अपना केयर ब्यूटी सैलून शुरू किया था। एक छोटे स्तर से शुरू हुआ उनका सफर आज एक सफल एवं प्रतिष्ठित ब्यूटी प्रोफेशन के रूप में पहचान बना चुका है। निरंतर मेहनत, सीखने की लगन और गुणवत्तापूर्ण सेवाओं के बल पर उन्होंने ब्यूटी इंडस्ट्री में अपनी मजबूत पहचान बनाई।

उनके सफर की खास बात यह है कि वह अपनी सफलता को केवल अपने तक सीमित नहीं रखतीं, बल्कि नई प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए भी लगातार प्रयास करती हैं।

रजनी राठौर हर वर्ष अपने केयर ब्यूटी सैलून की वर्षगांठ के अवसर पर 20 विद्यार्थियों को निःशुल्क प्रशिक्षण देने के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू करती हैं। चयनित 20 विद्यार्थियों को पूरे वर्ष ब्यूटी एवं पार्लर से संबंधित कार्य निःशुल्क सिखाया जाता है।

उनका उद्देश्य है कि आर्थिक रूप से कमजोर या सीखने के इच्छुक युवाओं को हुनर सिखाकर उन्हें अपने पैरों पर खड़ा होने का अवसर मिले। उनका मानना है कि किसी को हुनर सिखाकर आत्मनिर्भर बनाना ही सबसे बड़ी सेवा है।

इसके साथ ही रजनी राठौर वंशिका मेकओवर एंड एकेडमी के माध्यम से भी विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान कर रही हैं। उनके द्वारा प्रशिक्षित अनेक विद्यार्थी आज देश के विभिन्न शहरों में अपना सफल करियर बना रहे हैं।

रजनी राठौर अपनी सफलता का श्रेय अपने पति पहलाद राठौर एवं अपनी गुरु बबली दीदी (शीन सैलून, जावरा) को देती हैं। उनका कहना है कि उनके पति और गुरु ने हर कदम पर उनका मार्गदर्शन किया और उन्हें आगे बढ़ने का आत्मविश्वास दिया।

नई जिम्मेदारी मिलने पर रजनी राठौर ने कहा कि उनका प्रयास रहेगा कि खाचरोद एवं आसपास के क्षेत्र में ब्यूटी इंडस्ट्री से जुड़ी महिलाओं और युवाओं को प्रशिक्षण, रोजगार एवं आत्मनिर्भरता के अवसर उपलब्ध कराए जाएं।

एसोसिएशन के डायरेक्टर नीरज जैन ने कहा कि संगठन का उद्देश्य रजनी राठौर जैसी प्रतिभाओं को आगे लाने के साथ-साथ देश के छोटे-बड़े शहरों और गांवों में छिपी प्रतिभाओं को पहचानकर उन्हें राष्ट्रीय मंच प्रदान करना है।

एसोसिएशन ने विश्वास व्यक्त किया कि रजनी राठौर के नेतृत्व में खाचरोद क्षेत्र में संगठन को मजबूती मिलेगी और ब्यूटी इंडस्ट्री से जुड़ी महिलाओं एवं युवाओं को आगे बढ़ने के नए अवसर प्राप्त होंगे।

बदलती विश्व व्यवस्था में संतुलन, संवाद और राष्ट्रीय हित के बीच रास्ता बनाने की चुनौती

ब्रिक्स के मंच पर भारत की कूटनीतिक परीक्षा

बदलती विश्व व्यवस्था में किसी देश की कूटनीतिक क्षमता का वास्तविक आकलन तब होता है, जब उसके सामने एक साथ कई विरोधाभासी हित खड़े हों। भारत के लिए इस समय ब्रिक्स शिखर सम्मेलन ऐसा ही अवसर लेकर आया है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव, रूस और पश्चिम के बीच बढ़ती दूरी, अमेरिका-चीन प्रतिस्पर्धा, वैश्विक व्यापार में बढ़ता संरक्षणवाद और ऊर्जा सुरक्षा की चिंता ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति को पहले से कहीं अधिक जटिल बना दिया है। ऐसे समय में भारत ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है। इसलिए चुनौती केवल सम्मेलन को सफलतापूर्वक आयोजित करने की नहीं, बल्कि अलग-अलग हितों वाले देशों के बीच संवाद और सहयोग की ऐसी जमीन तैयार करने की है, जहां मतभेदों के बावजूद साझा हितों को आगे बढ़ाया जा सके।

ब्रिक्स का विस्तार पिछले कुछ वर्षों में इसकी शक्ति और जटिलता, दोनों बढ़ा चुका है। प्रारंभ में ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका तक सीमित यह समूह अब कई नई अर्थव्यवस्थाओं को अपने साथ जोड़ चुका है। इसका भौगोलिक और आर्थिक विस्तार वैश्विक दक्षिण की व्यापक आवाज बनने की संभावना पैदा करता है, लेकिन सदस्य देशों की राजनीतिक प्राथमिकताएं एक जैसी नहीं हैं। रूस पश्चिमी दबाव का सामना कर रहा है, चीन वैश्विक शक्ति-संतुलन में अपना प्रभाव बढ़ाना चाहता है, ईरान पश्चिमी प्रतिबंधों से जूझ रहा है, जबकि भारत अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखते हुए अमेरिका और यूरोप के साथ भी संबंध मजबूत कर रहा है। यही विविधता ब्रिक्स को महत्वपूर्ण भी बनाती है और चुनौतीपूर्ण भी।

भारत के सामने पहली बड़ी चुनौती यह है कि ब्रिक्स को किसी एक देश या किसी एक विचारधारा के विरुद्ध खड़े राजनीतिक गुट में बदलने से रोका जाए। यदि ब्रिक्स की पहचान केवल पश्चिम-विरोधी मंच के रूप में बनने लगेगी तो भारत के लिए उसकी उपयोगिता सीमित हो सकती है। भारत का हित ऐसी बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था में है, जिसमें किसी एक शक्ति का प्रभुत्व न हो, लेकिन विश्व राजनीति स्थायी टकराव में भी न बदल जाए। इसलिए भारत को ब्रिक्स को सहयोग, विकास और वैश्विक शासन में सुधार के मंच के रूप में स्थापित करने पर जोर देना होगा।

पश्चिम एशिया का संकट इस परीक्षा को और कठिन बना रहा है। ब्रिक्स के भीतर ही ऐसे देश मौजूद हैं, जिनके क्षेत्रीय हित कई बार एक-दूसरे से टकराते हैं। ईरान और अरब देशों के बीच तनाव इसका उदाहरण है। ऐसी परिस्थितियों में साझा राजनीतिक बयान पर सहमति बनाना आसान नहीं होता। भारत को ऐसी कूटनीतिक भाषा विकसित करनी

होगी, जो किसी पक्ष की कठोर आलोचना के बजाय शांति, संप्रभुता, संवाद और अंतरराष्ट्रीय कानून के सम्मान पर आधारित हो। यदि नई दिल्ली इस संवेदनशील प्रश्न पर व्यापक सहमति बनाने में सफल होती है तो यह उसकी कूटनीतिक परिपक्वता का महत्वपूर्ण प्रमाण होगा।

चीन के साथ संबंधों की अग्निपरीक्षा : ब्रिक्स सम्मेलन का सबसे महत्वपूर्ण द्विपक्षीय पहलू भारत-चीन संबंध भी हैं। सीमा विवाद के कारण दोनों देशों के बीच लंबे समय से अविश्वास बना रहा है। हालांकि हाल के समय में संबंधों को स्थिर करने और संवाद बढ़ाने के प्रयास हुए हैं। चीन के शीर्ष नेतृत्व की भारत यात्रा इस संदर्भ में विशेष महत्व रखती है। दोनों देशों के बीच सीमा पर शांति, व्यापार असंतुलन, निवेश और क्षेत्रीय स्थिरता जैसे विषय महत्वपूर्ण हैं।

भारत को चीन के साथ संबंध सुधारने की आवश्यकता है, लेकिन यह सुधार राष्ट्रीय सुरक्षा की कीमत पर नहीं हो सकता। सीमा पर शांति दोनों देशों के हित में है, पर शांति का अर्थ रणनीतिक सतर्कता समाप्त करना नहीं है। भारत को आर्थिक सहयोग बढ़ाने के साथ संवेदनशील क्षेत्रों में निर्भरता कम करने और अपनी घरेलू उत्पादन क्षमता मजबूत करने की दिशा में भी आगे बढ़ना होगा। संबंधों में सुधार तभी टिकाऊ होगा, जब वह विश्वास, पारदर्शिता और पारस्परिक सम्मान पर आधारित हो।

रूस और पश्चिम के बीच संतुलन : रूस के साथ भारत के संबंध भी इस सम्मेलन में महत्वपूर्ण रहेंगे। ऊर्जा, रक्षा और रणनीतिक सहयोग के क्षेत्र में रूस लंबे समय से भारत का महत्वपूर्ण साझेदार रहा है। वैश्विक प्रतिबंधों और भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद भारत ने रूस के साथ संवाद बनाए रखा है। यह उसकी स्वतंत्र विदेश नीति का हिस्सा है।

लेकिन इसके साथ पश्चिमी देशों के साथ भारत के बढ़ते आर्थिक, तकनीकी और सामरिक संबंध भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। इसलिए भारत को यह संदेश स्पष्ट रखना होगा कि रूस के साथ संबंध पश्चिम के विरुद्ध नहीं हैं और पश्चिम के साथ सहयोग रूस के विरुद्ध नहीं है। भारत की विदेश नीति का आधार किसी गुट का समर्थन नहीं, बल्कि राष्ट्रीय हित होना चाहिए।

आर्थिक सहयोग बने प्राथमिकता : ब्रिक्स का आर्थिक पक्ष भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में व्यापारिक बाधाएं, आपूर्ति शृंखलाओं का पुनर्गठन, ऊर्जा असुरक्षा और बढ़ती संरक्षणवादी प्रवृत्तियां उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए नई चुनौतियां पैदा कर रही हैं।

भारत को ब्रिक्स के माध्यम से व्यापार, निवेश, खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा, स्वास्थ्य और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में व्यावहारिक सहयोग बढ़ाने की कोशिश करनी चाहिए। यदि सदस्य देश केवल राजनीतिक घोषणाओं तक सीमित न रहकर वास्तविक आर्थिक परियोजनाओं पर आगे बढ़ते हैं तो ब्रिक्स की उपयोगिता कहीं अधिक बढ़ सकती है।

विकासशील देशों के लिए वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता भी महत्वपूर्ण प्रश्न है। वैश्विक वित्तीय संस्थाओं में विकासशील देशों की भागीदारी और निर्णय प्रक्रिया में प्रतिनिधित्व बढ़ाने की मांग लंबे समय से उठती रही है। भारत ब्रिक्स के मंच से इन संस्थाओं में सुधार का मुद्दा मजबूती से उठा सकता है। उद्देश्य मौजूदा व्यवस्था को अचानक समाप्त करना नहीं, बल्कि उसे अधिक प्रतिनिधिक, पारदर्शी और विकासशील देशों की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाना होना चाहिए।

तकनीक में भारत के पास बढ़त : तकनीक का क्षेत्र भारत को अपनी विशिष्ट भूमिका निभाने का अवसर देता है। डिजिटल भुगतान, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और तकनीकी नवाचार में भारत का अनुभव कई विकासशील देशों के लिए उपयोगी हो सकता है।

लेकिन तकनीकी सहयोग के साथ डेटा सुरक्षा, डिजिटल अधिकार, साइबर सुरक्षा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता की जवाबदेही जैसे प्रश्नों पर भी साझा दृष्टिकोण आवश्यक होगा। भविष्य की कूटनीति केवल भूगोल और सैन्य शक्ति से निर्धारित नहीं होगी। तकनीकी क्षमता भी वैश्विक प्रभाव का महत्वपूर्ण आधार बनेगी।

वैश्विक दक्षिण की आवाज कितनी प्रभावी? : ब्रिक्स को वैश्विक दक्षिण की आवाज बनाने की बात तभी सार्थक होगी, जब उसके एजेंडे में आम नागरिकों से जुड़े प्रश्न भी प्रमुख हों। सस्ती और सुरक्षित ऊर्जा, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, रोजगार, जलवायु वित्त, आपदा प्रबंधन और विकास के लिए संसाधन ऐसे विषय हैं, जिन पर भारत व्यावहारिक नेतृत्व दे सकता है।

अवनीश कुमार गुप्ता

तेल 102 डॉलर पार, क्या दुनिया नए तेल संकट के मुहाने पर?

वैश्विक व्यवस्था में युद्ध और कूटनीति का असर केवल सीमाओं तक सीमित नहीं रहता। कई बार इसकी सबसे पहली और सबसे तीखी चोट आम आदमी की जेब पर पड़ती है। पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता सैन्य तनाव अब इसी दिशा में बढ़ता दिखाई दे रहा है। इसका सबसे बड़ा संकेत कच्चे तेल की कीमत है। 10 सितंबर 2026 को अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट कच्चा तेल करीब 102.59 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया। जुलाई के बाद पहली बार कीमत 100 डॉलर के पार पहुंचना वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए खतरे की घंटी है।

सवाल अब केवल यह नहीं है कि तेल 100 डॉलर के पार क्यों गया। बड़ा सवाल यह है कि क्या दुनिया फिर ऐसे तेल संकट की ओर बढ़ रही है, जैसा 1970 के दशक में देखने को मिला था और जिसने वैश्विक अर्थव्यवस्था की बुनियाद हिला दी थी?

फिलहाल इसे पूर्ण वैश्विक तेल संकट कहना जल्दबाजी होगी, लेकिन संकट के कई महत्वपूर्ण संकेत एक साथ दिखाई दे रहे हैं– ईरान-अमेरिका सैन्य तनाव, होर्मुज जलडमरूमध्य पर खतरा, तेल टैंकरों की सुरक्षा को लेकर चिंता, समुद्री बीमा की बढ़ती लागत और मध्य-पूर्व के दूसरे समुद्री मार्गों तक फैलता तनाव।

होर्मुज पर टिका दुनिया का तेल कारोबार

इस संकट का सबसे संवेदनशील केंद्र होर्मुज जलडमरूमध्य है। दुनिया के तेल और गैस कारोबार का बड़ा हिस्सा इसी संकरे समुद्री मार्ग से गुजरता है। यदि यहां लंबे समय तक जहाजों की आवाजाही बाधित होती है तो इसका असर केवल अमेरिका या ईरान तक सीमित नहीं रहेगा। एशिया, यूरोप और भारत समेत पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था इसकी चपेट में आ सकती है।

हालिया घटनाक्रम में अमेरिका ने पांच ईरानी कच्चे तेल के टैंकरों को नष्ट करने की घोषणा की है। इसके जवाब में ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने दो अमेरिकी जहाजों और आठ तेल टैंकरों समेत दस जहाजों को निशाना बनाने का दावा किया है। हालांकि अमेरिकी पक्ष ने अमेरिकी जहाजों पर हमले के ईरानी दावे से इनकार किया है। इसलिए युद्ध से जुड़े इन दावों को सावधानी के साथ देखना जरूरी है।

स्थिति को और गंभीर बनाते हुए ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने चाबहार से आगे ओमान की खाड़ी और अरब सागर के कुछ हिस्सों में प्रतिबंधित समुद्री क्षेत्र बनाने की बात कही है। यदि ऐसी व्यवस्था व्यावहारिक रूप से लागू होती है तो जहाजों की आवाजाही, समुद्री बीमा और माल ढुलाई की लागत पर भारी दबाव पड़ सकता है।

यही वह स्थिति है जहां तेल की कीमत केवल उत्पादन और मांग से तय नहीं होती। इसमें युद्ध का जोखिम भी जुड़ जाता है।

120 डॉलर का खतरा कितना वास्तविक?

तेल बाजार में सबसे बड़ा खतरा केवल कीमत बढ़ना नहीं है। वास्तविक संकट तब पैदा होता है जब तेल की आपूर्ति प्रभावित होने लगे।

यदि होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों की संख्या लंबे समय तक कम रहती है, टैंकरों को लंबे वैकल्पिक मार्ग अपनाने पड़ते हैं और बीमा कंपनियां युद्ध-जोखिम का प्रीमियम बढ़ाती हैं तो प्रत्येक बैरल पर अतिरिक्त लागत जुड़ती जाएगी।

इसी वजह से 102 डॉलर का स्तर केवल मनोवैज्ञानिक सीमा नहीं है। यदि समुद्री मार्गों और ऊर्जा अवसंरचना पर हमले जारी रहते हैं तो 120 डॉलर या उससे ऊपर की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

लेकिन इसका दूसरा पहलू भी है। यदि युद्धविराम होता है, जहाजों की आवाजाही सामान्य होती है और होर्मुज का जोखिम घटता है तो तेल की कीमत में तेजी से गिरावट भी संभव है। यानी मौजूदा बाजार में युद्ध का जोखिम कीमत का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है।

क्या तेल भू-राजनीति का सबसे बड़ा हथियार बन गया है?

आज तेल केवल ऊर्जा का स्रोत नहीं है। यह कूटनीतिक दबाव, आर्थिक शक्ति और रणनीतिक प्रभाव का साधन भी है।

तेल की कीमत बढ़ती है तो सबसे पहले पेट्रोल और डीजल महंगे होते हैं, लेकिन प्रभाव यहीं समाप्त नहीं होता। परिवहन, विमानन, समुद्री व्यापार, उद्योग, उर्वरक, प्लास्टिक और खाद्य पदार्थों की लागत तक प्रभावित होती है। यानी तेल की कीमत में बढ़ोतरी धीरे-धीरे पूरी अर्थव्यवस्था में फैलती है।

यही कारण है कि तेल उत्पादक और तेल आपूर्ति मार्ग वैश्विक भू-राजनीति में असाधारण महत्व रखते हैं। किसी तेल क्षेत्र, पाइपलाइन या समुद्री मार्ग पर हमला दुनिया के दूसरे छोर पर बैठे उपभोक्ता की जेब तक असर पहुंचा सकता है।

अमेरिकी मध्यावधि चुनाव और तेल की राजनीति

इस पूरे संकट में अमेरिकी राजनीति भी महत्वपूर्ण हो गई है। संभावित रूप से 3 नवंबर 2026 को अमेरिका में मध्यावधि चुनाव होने हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया है कि उन्हें उम्मीद है कि चुनाव के तुरंत बाद ईरान युद्ध समाप्त हो जाएगा।

ट्रंप का आरोप है कि तेहरान जानबूझकर संघर्ष को चुनाव तक खींचना चाहता है, ताकि अमेरिका में ईंधन की ऊंची कीमतें बनी रहें, महंगाई बढ़े और रिपब्लिकन पार्टी को राजनीतिक नुकसान हो। उन्होंने यह भी संकेत दिया है कि युद्ध समाप्त होते ही तेल और गैस की कीमतों में तेजी से गिरावट आ सकती है और अमेरिकी पेट्रोल की कीमत दो डॉलर प्रति गैलन से नीचे जा सकती है। लेकिन यहां अंतर समझना जरूरी है। यह राजनीतिक दावा है, बाजार की निश्चित भविष्यवाणी नहीं।

अमेरिकी मतदाता के लिए महंगाई और पेट्रोल की कीमत सीधे रोजमर्रा के जीवन से जुड़े मुद्दे हैं। यदि युद्ध लंबा खिंचता है, तेल 100 डॉलर से ऊपर बना रहता है और पेट्रोल महंगा होता है तो इसका राजनीतिक असर भी हो सकता है। इसलिए ईरान युद्ध अब केवल विदेश नीति या राष्ट्रीय सुरक्षा का विषय नहीं रह गया है; वह अमेरिकी घरेलू राजनीति का भी हिस्सा बन चुका है।

5,000 डॉलर का 'ट्रंप डिविडेंड' कितना बड़ा दांव?

इसी राजनीतिक वातावरण में ट्रंप ने एक और बड़ा चुनावी प्रस्ताव रखा है। उन्होंने कहा है कि यदि रिपब्लिकन पार्टी नवंबर में प्रतिनिधि सभा और सीनेट दोनों पर नियंत्रण बनाए रखती है तो हर अमेरिकी वयस्क नागरिक को 5,000 डॉलर का 'ट्रंप डिविडेंड' दिया जाएगा और इस राशि को अमेरिका के भीतर खर्च करना होगा।

लेकिन सवाल है—इतना पैसा आएगा कहां से?

योजना का पूरा वित्तीय ढांचा अभी स्पष्ट नहीं है। सभी वयस्कों को 5,000 डॉलर देने की लागत एक ट्रिलियन डॉलर से काफी अधिक हो सकती है। इसे लागू करने के लिए कांग्रेस की मंजूरी भी आवश्यक होगी। आलोचकों का तर्क है कि इतना बड़ा खर्च पहले से भारी बजट घाटे और विशाल राष्ट्रीय ऋण पर अतिरिक्त दबाव डाल सकता है तथा महंगाई को बढ़ा सकता है।

यहां 'ट्रंप अकाउंट्स' और प्रस्तावित 5,000 डॉलर के भुगतान को अलग-अलग समझना भी जरूरी है। ट्रंप अकाउंट्स बच्चों के लिए कर-लाभ वाले निवेश खाते हैं, जबकि 5,000 डॉलर का प्रस्ताव वयस्क नागरिकों को संभावित भुगतान से जुड़ा अलग राजनीतिक प्रस्ताव है।

उर्वशी रौतेला के अलग-अलग तीन गानों ने रचा इतिहास

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला ने वह कर दिखाया है जो अब तक किसी भारतीय अभिनेत्री ने हासिल नहीं किया। यूट्यूब पर उनके तीन गाने अलग-अलग तौर पर एक-एक अरब व्यूज़ के क़रीब पहुंच रहे हैं, जो मिलकर लगभग तीन अरब व्यूज़ का अभूतपूर्व आंकड़ा बनाते हैं। इसके साथ ही, वह न सिर्फ़ पहली, बल्कि इतनी कम उम्र में यह उपलब्धि हासिल करने वाली सबसे युवा भारतीय अभिनेत्री बन गई हैं। यह जीत केवल संख्याओं की नहीं है—यह उनके वैश्विक प्रभाव, जबरदस्त लोकप्रियता और बेहतरीन स्क्रीन प्रेज़ेंस का प्रमाण है। भारत से लेकर दुनिया के तमाम देशों तक, संगीत प्रेमियों ने उर्वशी के गानों को अपनाया है और उन्हें अंतरराष्ट्रीय एंथम का दर्जा दिया है। हर गाना, जो अपने-अपने स्तर पर एक अरब व्यूज़ के करीब है, यह स्पष्ट करता है कि डिजिटल दुनिया में उनका प्रभाव कितनी तेज़ी से बढ़ रहा है। इस उपलब्धि की सबसे खास बात है उनकी सफलता की निरंतरता।

ये कोई एक-दो बार वायरल होने वाले गाने नहीं हैं ये वो गाने हैं जिन्हें लोग बार-बार सुनते हैं, सेलिब्रेट करते हैं, नाचते हैं और पीढ़ियों व सीमाओं के पार शेयर करते हैं। ऐसे दौर में, जहाँ डिजिटल मौजूदगी ही प्रभाव को तय करती है, उर्वशी ने खुद को उस मुकाम पर पहुंचाया है जहाँ पहुंचना बहुतों के लिए नामुमकिन होता है। एक युवा प्रतिभा से अरबों दर्शकों द्वारा देखी जाने वाली ग्लोबल आर्टिस्ट बनने तक का उनका सफर केवल प्रेरणादायक ही नहीं ऐतिहासिक है। हर नए मुकाम के साथ वह धारणाएँ बदल रही हैं, महिला कलाकारों के लिए नए मानक गढ़ रही हैं और भारतीय टैलेंट को विश्व मंच पर नई ऊँचाइयों तक ले जा रही हैं।

नशा मुक्त युवा देश की सबसे बड़ी ताकत हैं: संजीव नायक

मिहोना, जीएनएस।

नई पीढ़ी से सीधे जुड़कर उनकी सोच, चुनौतियों और अपेक्षाओं को समझने तथा उन्हें सकारात्मक दिशा देने के उद्देश्य से चलाए जा रहे। अभियान की श्रृंखला में नगर मिहोना में युवाओं एवं टीनएजर्स के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अधिवक्ता संजीव नायक के साथ शिक्षक रमाकांत शर्मा, समाजसेवी मुकेश पाठक एवं समाजसेवी विकास बोहरे ने युवाओं को संबोधित किया।

कार्यक्रम में स्वास्थ्य, नशा मुक्ति, शिक्षा, करियर, सोशल मीडिया, साइबर सुरक्षा और भविष्य निर्माण जैसे विषयों पर युवाओं के साथ खुलकर चर्चा की गई। वक्ताओं ने युवाओं की बात सुनी और उन्हें जीवन में सकारात्मक सोच, अनुशासन एवं सही संगति के महत्व से अवगत कराया।

अधिवक्ता संजीव नायक ने कहा कि युवा देश का भविष्य ही नहीं, वर्तमान की सबसे बड़ी ताकत हैं। इसलिए युवाओं को केवल सलाह देने के बजाय उनके साथ बैठकर उनकी सोच को समझना और उनकी समस्याओं पर संवाद करना जरूरी है।

नई पीढ़ी से निरंतर संवाद स्थापित कर उन्हें स्वस्थ, जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि आज युवाओं के सामने शिक्षा और करियर के अवसरों के साथ-साथ नशा, गलत संगति, सोशल मीडिया का अनुचित प्रभाव और साइबर अपराध जैसी चुनौतियां भी हैं। इन चुनौतियों से निपटने के लिए परिवार, समाज और युवाओं के बीच निरंतर संवाद आवश्यक है। कार्यक्रम में नशा मुक्ति को विशेष रूप से केंद्र में रखा गया। युवाओं को नशे के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्परिणामों के बारे में जागरूक करते हुए उन्हें नशे से दूर रहने का संकल्प दिलाया गया। युवाओं ने स्वयं नशे से दूर रहने के साथ-साथ अपने मित्रों और आसपास के लोगों को भी नशे के खिलाफ जागरूक करने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शिक्षक रमाकांत शर्मा ने कहा कि किशोरावस्था और युवावस्था जीवन का सबसे महत्वपूर्ण दौर है। इसी समय व्यक्ति अपने विचार, आदतें और जीवन की दिशा तय करता है। उन्होंने युवाओं से शिक्षा को प्राथमिकता देने, अनुशासन बनाए रखने और गलत संगति से दूर रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने वाला युवा अपने परिवार के साथ-साथ समाज और देश के लिए भी उपयोगी साबित होता है। उन्होंने युवाओं से अपने समय और ऊर्जा का उपयोग शिक्षा, खेल, कौशल विकास और रचनात्मक गतिविधियों में करने की अपील की।

समाजसेवी मुकेश पाठक ने कहा कि युवा किसी भी समाज की सबसे बड़ी शक्ति होते हैं। समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने युवाओं से नशे और बुरी आदतों से दूर रहकर सामाजिक कार्यों में भागीदारी करने तथा अपने आसपास के लोगों को भी जागरूक करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि यदि युवा स्वयं जागरूक होंगे तो परिवार और समाज में भी सकारात्मक परिवर्तन तेजी से आएगा।

माटी गणेश–सिद्ध गणेश अभियान जारी : मनोज दुबे

भितरवार -ग्वालियर शुक्रबार मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद, योजना, आर्थिक एवं सांख्यकीय विभाग विकास खण्ड भितरवार अंतर्गत चीनोर सेक्टर क्रमांक 03 की नवांकुर संस्था जय माँ बसैया समाज कल्याण फाउंडेशन ग्राम ककरधा के सचिव धर्मेंद्र सिंह किरार ने विकास खण्ड स्तरीय प्रशिक्षण मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के ब्लॉक कॉर्डिनेटर मनोज दुबे के मार्गदर्शन में प्रशिक्षक नीरज प्रजापति से प्रशिक्षण प्राप्त कर आज सेक्टर स्तरीय प्रशिक्षण देकर ग्राम ककरधा के माध्यमिक विद्यालय परिषर में नवांकुर सखियों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, शिक्षक, रसोइया प्रस्फुटन समिति के लोगों तथा गाँव के स्कूली बच्चों के बीच आयोजित कर माटी गणेश -सिद्ध गणेश, हर घर गणेश, घर घर गणेश, विराजें माटी गणेश का आयोजन कर शुद्ध माटी के गणेश जी का निर्माण कराया गया, विकास खण्ड समन्वयक मनोज दुबे ने बताया है कि भितरवार विकास खण्ड के हर घर माटी गणेश-सिद्ध गणेश विराजें इसके

लिए विकास खण्ड से सेक्टर और सेक्टर से गाँव गांव नवांकुर सखियों, मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के मेंटर्स, छात्रों, प्रस्फुटन समितियों और पर्यावरण मित्रों के साथ जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है कि पी ओ पी का उपयोग न करते हुए विना रंग रोगन के स्थानीय शुद्ध माटी के गणेश जी बनाकर हर घर विराजें माटी गणेश का अभियान मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद भितरवार के द्वारा चलाया जा रहा है माटी गणेश-सिद्ध गणेश अभियान से जल और पर्यावरण संरक्षण के लिए भी कार्य किया जा रहा है जब माटी की बनी प्रतिमाओं को जल में विसर्जन करेंगे तो किसी भी प्रकार से पानी में कोई रासायनिक तत्व का मिलन नहीं होगा और उसी मिट्टी का उपयोग पौधारोपण में भी किया जा सकता है जिससे जल और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भी कार्य किया जा सकता है विकास खण्ड भितरवार की 82 ग्राम पंचायतों और नगर भितरवार तथा नगर आंतरी के लिए माटी गणेश-सिद्ध गणेश अभियान चलाया जा रहा है और 14 सितंबर तक यह अभियान ब्लॉक कॉर्डिनेटर मनोज दुबे के मार्गदर्शन में नवांकुर संस्थाओं, प्रस्फुटन समितियों, नवांकुर सखियों, मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम में मेंटर्स, छात्र-छात्राओं, पर्यावरण प्रेमियों, जन प्रतिनिधियों, समाज सेवियों साधु संतों के साथ शासन और समाज के मध्य जारी है

सागर शराब कांड: सरकार 16 मौतें गिन रही है, गांव उससे कहीं अधिक गिन रहे हैं

सागर, जीएनएस।

सागर के बंडा-शाहगढ़ इलाके में जहरीली शराब की मौतें थमी नहीं हैं। प्रशासन शुक्रवार सुबह तक आधिकारिक आंकड़ा 16 बता रहा है। आधार पोस्टमार्टम रिपोर्ट है। जिन मामलों में कारण साफ नहीं है, उनके विसरा फॉरेंसिक लैब भेजे गए हैं। स्थानीय रिपोर्टें, अस्पताल और परिवार इसी दौरान 28 से 36 तक की बात कर रहे हैं। यही फासला इस कांड का पहला राजनीतिक और प्रशासनिक संकट है।

घटना 4-5 सितंबर की रात गांवों में शुरू हुई। नौरोज, गूगरा खुर्द, बमूरा मेड़ा जैसे इलाकों में लोग सस्ती बोतल लेकर घर लौटे। कीमत बाजार से करीब 20 रुपये कम थी। नाम नए थे–'सागर

गोल्ड', कहीं 'बम्बइया'। बेचने वाले परिचित थे। विश्वास सस्ता पड़ा। मेथनॉल की आशंका अब जांच का केंद्र है; प्रयोगशाला रिपोर्ट अभी पूरी नहीं आई। पुलिस कहती है कि यह गली का अचानक धंधा नहीं था। करीब 50 पेटियाँ ततरवारा के मक्के के खेत में तैयार हुईं। आरोपों में बरेठी की लाइसेंसी दुकान से जुड़े मनीष लोधी, कथित निर्माणकर्ता चंद्रभान राजपूत उर्फ चंदू राजा और आशीष साहू शामिल हैं। यूपी के ललितपुर से जुड़े रवि लखेरा फरार बताए गए हैं। करीब 30-33 नामजद आरोपियों में 16-17 गिरफ्तार हैं। बाकी पर इनाम है। सवाल सीधा है– लाइसेंसी नाम और खेत वाली भट्ठी एक साथ कैसे चले? सरकार अब हरकत में है। मुख्यमंत्री मोहन यादव सागर पहुँचे, न्यायिक जांच के आदेश दिए। सेवानिवृत्त न्यायाधीश विष्णु प्रताप सिंह चौहान जांच करेंगे। नए आईजी और संभागीय आयुक्त तैनात हुए। बंडा एसडीएम हटाए जा चुके हैं। कुछ निचले आबकारी-पुलिस कर्मी निलंबित हैं। गुरुवार को तीन आरोपियों के पाँच अवैध निर्माण पर बुलडोजर चला। राज्यभर में अवैध शराब की बड़ी सीज भी बताई जा रही है। यह कार्रवाई देर से आई है, और दिखाई देने के लिए आई है।

रोटरी डिस्ट्रिक्ट पब्लिक इमेज सेमिनार 'प्रतिष्ठा– ' 13 सितंबर को होगा

वरिष्ठ रोटेरियन पीडीजी अजय गुप्ता मुंबई करेंगे मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत

मुरैना, जीएनएस।

रोटरी क्लब मुरैना एवं रोटरी क्लब चम्बल मुरैना के संयुक्त तत्वावधान में मध्यप्रदेश रीजन का डिस्ट्रिक्ट पब्लिक इमेज सेमिनार 'प्रतिष्ठा-द्ध' का भव्य आयोजन रविवार, 13 सितंबर 2026 को शुभिम रिसोर्ट, बानमोर में किया जा रहा है।

रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3053 के गवर्नर रोटेरियन सी.ए. ब्रज मोहन अग्रवाल ने बताया कि इस सेमिनार का मुख्य उद्देश्य रोटरी की सार्वजनिक छवि को और अधिक सशक्त बनाना तथा समाज में रोटरी के सेवा कार्यों को प्रभावी ढंग से पहुँचाना है। इस वर्ष की थीम 'क्रिएट लास्टिंग इम्पैक्ट - टीम एलीवेटर्स' रखी गई है।

मुख्य अतिथि मुंबई से आयेंगे

सेमिनार के मुख्य अतिथि के रूप में पी.डी.जी. अजय गुप्ता (मुंबई, ऋद्धिष्ठ 3141) शिरकत करेंगे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में पी.डी.जी. पवन खंडेलवाल (डी.पी.आई.सी. ऋद्धिष्ठ 3053, ए.आर.पी.आई.सी. जोन-4) ÷विजिबिलिटी लीड्स टू सक्सेस÷ विषय पर मुख्य उद्बोधन देंगे, इस कार्यक्रम में भिवाड़ी, अलवर, अजमेर एवं ग्वालियर से भी आये हुए वरिष्ठ रोटेरियन अपना मार्गदर्शन प्रदान करेंगे सेमिनार में दो तकनीकी सत्रों में तीन महत्वपूर्ण पैनल चर्चाएं होंगी -

،) समाज में रोटरी की छवि कैसे अधिक समृद्ध हो,

क्क) मीडिया और ब्रांडिंग,

ष्ट) स्थायी प्रोजेक्ट - पब्लिक इमेज की कुंजी।

मुरैना के दो क्लब करेंगे मेजबानी

इस सेमिनार की मेजबानी रोटरी क्लब मुरैना एवं रोटरी क्लब चंबल मुरैना (सत्र 2026-27) संयुक्त रूप से कर रहे हैं।आयोजक क्लब के अध्यक्ष रोटेरियन् करतार सिंह राजपूत एवं रोटेरियन तरुण शर्मा ने बताया कि सेमिनार में म.प्र. रीजन के करीब 30 अधिक क्लबों के लगभग 250 रोटेरियन भाग लेंगे। सेमिनार का समय प्रातः 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक रहेगा।

यमुना का जलस्तर घटने से तटवर्ती ग्राम वासियों ने ली राहत की सांस

जालौन, जीएनएस।

यमुना नदी के जलस्तर में अब लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है गुरुवार को नदी का जलस्तर घटकर 102.8 मीटर पर पहुंच गया पानी में करीब 10-15 सेंटीमीटर प्रति घंटे की कमी आ रही है जलस्तर नीचे जाने से नदी किनारे बसे गांवों के ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है।

पिछले कुछ दिनों से यमुना के जलस्तर में तेजी से वृद्धि हो रही थी नदी का पानी बढ़ने से तटवर्ती इलाकों में बाढ़ की आशंका को लेकर ग्रामीणों में चिंता बढ़ गई थी बुधवार से जलस्तर में कमी शुरू होने के बाद स्थिति सामान्य होने की ओर बढ़ रही है गुरुवार को भी पानी घटने का क्रम जारी रहा कालपी में यमुना का चेतावनी स्तर 107 मीटर और खतरे का निशान 108 मीटर है वर्तमान जलस्तर चेतावनी बिंदु से काफी नीचे है ऐसे में फिलहाल बाढ़ की स्थिति बनने की आशंका कम हो गई है। हालांकि नदी के जलस्तर में बदलाव को देखते हुए तटवर्ती क्षेत्रों में सतर्कता बरती जा रही है। जलस्तर कम होने के साथ ही यमुना किनारे रहने वाले लोगों को बढ़ते पानी से होने वाली परेशानी से राहत मिली है। खेतों और नदी के आसपास के इलाकों में भी पानी का दबाव कम हुआ है। प्रशासन और संबंधित विभाग नदी के जलस्तर पर नजर बनाए हुए हैं, ताकि पानी में अचानक बढ़ोतरी होने पर समय रहते आवश्यक कदम उठाए जा सकें।

लड़की का आरोपी युवक ने किया अपहरण

जालौन। एक ग्राम में तीन दिन पूर्व रात को युवक ने लड़की को बहला फुसलाकर अपहरण की घटना को अंजाम दिया उक्त घटना में पीड़ित ने कोतवाली कालपी में शिकायत प्रस्तुत कर मुकदमा दर्ज किए जाने की गुहार लगाई। ग्राम रामपुर पोस्ट काशी खेड़ा निवासी रामकेश पुत्र राम मनोहर ने कोतवाली कालपी में शिकायती पत्र देते हुए अवगत कराया कि 7 सितंबर की रात में गांव का युवक अनुराग पुत्र विनोद मेरी लड़की को बहला फुसला कर नगदी 20 हजार रुपए एवं सोने चांदी के आभूषण के साथ रात में बाइक में बैठकर रफूचक्कर हो गया ।

झगड़ा करने में कालपी पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर शांति भंग में किया चालान

जालौन, जीएनएस।

एक ग्राम में परिवार से लड़ना परिवार युवक को महंगा पड़ा वही चौकी पुलिस ने गिरफ्तार कर जुर्मधारा 170 126 135 के तहत अभियुक्त को पुलिस हिरासत में जेल भेजा।

पुलिस के मुताबिक कोतवाली कालपी प्रभारी निरीक्षक अजय ब्रह्म तिवारी के निर्देश पर ज्ञान भारती छौंक चौकी उप निरीक्षक सूरजपाल सिंह पुलिस बल के साथ गुरुवार के दिन क्षेत्र में भ्रमण कर रहे थे वहीं झगड़े की सूचना पाकर पहुंची पुलिस टीम ने ग्राम जोल्हूपुर निवासी हरदेश पुत्र बलीराम परिवार से गाली गलौज कर झगड़े को अंजाम दे रहा था तभी पुलिस टीम ने गिरफ्तार कर कोतवाली के हवालात में बंद किया उक्त घटना में कालपी पुलिस ने अभियुक्त के खिलाफ चालानी रिपोर्ट दर्ज कर अभियुक्त को पुलिस हिरासत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालपी में डाक्टरी परीक्षण करा कर संबंधित अदालत में प्रस्तुत किया।

शिवपुरी वन मंडल के सतनबाड़ा परिक्षेत्र में रेंजर माधव सिंह सिकरवार के आते ही वन क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर कार्यवाही की कवायद तेज

जानकारी के अनुसार वन परिक्षेत्र सतनवाड़ा की बीट धमकन के कक्ष क्रमांक क्कस्न-928 में अवैध रूप से पत्थर (बोल्डर) उत्खनन करते हुए एक ट्रैक्टर मय ट्रॉली को वैधानिक कार्यवाही कर जप्त किया गया कार्यवाही में परिक्षेत्र सहायक सतनवाड़ा लक्ष्मी कुमार यादव, रामेश्वर धाकड़,गिरीश कांकर,पप्पू सोनी,विनोद की रही भूमिका।

पर्यूषण महापर्व के महत्व एवं नियमों की दी विस्तृत जानकारी

पोरसा, जीएनएस।

श्री आदिनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर पोरसा में पर्यूषण महापर्व के पावन अवसर पर धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में परम पूज्य आर्यिका श्री 105 विप्रा श्री माताजी ससंघ का मंगल सानिध्य प्राप्त हुआ। इस दौरान पूज्य माताजी ने उपस्थित जैन समाज के श्रद्धालुओं को पर्यूषण महापर्व के धार्मिक महत्व, उसके उद्देश्य तथा पर्व के दौरान पालन किए जाने वाले नियमों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की।

आर्यिका श्री 105 विप्रा श्री माताजी ने कहा कि पर्यूषण महापर्व आत्मशुद्धि, संयम, तप, त्याग और क्षमा का महापर्व है। यह पर्व केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यक्ति को अपने जीवन का आत्मावलोकन करने, गलतियों का परिमार्जन करने तथा मन, वचन और कर्म की शुद्धि की प्रेरणा देता है। उन्होंने समाज के सभी साधर्मी बंधुओं से पर्यूषण पर्व के दौरान अधिक से अधिक धार्मिक क्रियाओं में सहभागी बनने और जीवन में संयम एवं सदाचार को अपनाने का आह्वान किया।

पूज्य माताजी ने पर्यूषण महापर्व के दौरान जैन धर्म में बताए गए नियमों और सिद्धांतों की जानकारी देते हुए श्रद्धालुओं को अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह जैसे मूल सिद्धांतों को अपने जीवन में उतारने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि पर्व के दौरान खान-पान में संयम रखने, अनावश्यक भोग-विलास से दूर रहने, जीवों के प्रति करुणा रखने, क्रोध एवं कटु वचन का त्याग करने तथा अधिक से अधिक समय धर्म आराधना में लगाने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने श्रद्धालुओं को स्वाध्याय, सामायिक, प्रतिक्रमण, पूजा, ध्यान, तप एवं आत्मचिंतन जैसी धार्मिक क्रियाओं के महत्व से भी अवगत कराया। साथ ही क्षमा भाव को जीवन का अभिन्न अंग बनाने की प्रेरणा देते हुए कहा कि मन में किसी के प्रति वैर या द्वेष न रखते हुए सभी जीवों के प्रति मैत्री भाव रखना ही सच्ची धर्म साधना है। पर्यूषण महापर्व के अवसर पर पूज्य आर्यिका श्री 105 विप्रा श्री माताजी ससंघ का तेरहद्वीप महामण्डल विधान में मंगल सानिध्य प्राप्त होने पर पोरसा जैन समाज द्वारा उनका भावपूर्ण स्वागत किया गया। समाज के श्रद्धालुओं ने पूज्य माताजी ससंघ को श्रीफल भेंट कर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया।

20 वर्षों की मेहनत, समर्पण और सफलता की मिसाल बनीं जयश्री चव्हान

इंदौर, जीएनएस। राष्ट्रीय स्तर पर कार्यरत ब्यूटी पार्लर एसोसिएशन ने संगठन के विस्तार और महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए वरिष्ठ ब्यूटी विशेषज्ञ एवं प्रोफेशनल मेकअप आर्टिस्ट जय श्री को इंदौर उपाध्यक्ष नियुक्त किया है।

एसोसिएशन के डायरेक्टर नीरज जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्मला त्रिपाठी एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विजया पालीवाल और इंदौर उपाध्यक्ष सुनीता व्यास जी के नेतृत्व में आयोजित बैठक में सभी पदाधिकारियों की सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया। जयश्री चव्हान के 20 वर्षों के अनुभव, उत्कृष्ट कार्यशैली, नेतृत्व क्षमता तथा ब्यूटी इंडस्ट्री में उनके उल्लेखनीय योगदान को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई।

नियुक्ति के पश्चात जय श्री जी ने कहा कि एसोसिएशन से जुड़ने की प्रेरणा उन्हें अपनी ब्यूटी प्रोफेशनल मित्र और गुरु विजया पालीवाल जी से मिली, जो वर्तमान में ब्यूटी पार्लर एसोसिएशन की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं।

जय श्री चव्हान पिछले 20 वर्षों से ब्यूटी इंडस्ट्री में अपनी उत्कृष्ट सेवाएँ दे रही हैं। उन्होंने अपनी प्रोफेशनल शिक्षा इंदौर और महाराष्ट्र से प्राप्त की है। अपने अनुभव, हुनर और समर्पण के बल पर उन्होंने इंदौर ही नहीं, बल्कि प्रदेशभर में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। जो उनके नेतृत्व और योगदान का प्रमाण है।

उन्होंने अपने करियर की शुरुआत एक छोटे से सैलून से की। अथक परिश्रम, गुणवत्तापूर्ण सेवाओं और ग्राहकों के विश्वास के आधार पर उन्होंने कई सफल सैलून स्थापित किए तथा आगे चलकर वंशिका मेक ओवर एंड अकेडमी की स्थापना की। आज उनकी अकादमी से प्रशिक्षित अनेक विद्यार्थी देश के विभिन्न शहरों में सफलतापूर्वक अपना करियर बना रहे हैं।

जयश्री चव्हान जी ने अपनी सफलता का सबसे बड़ा श्रेय अपने हस्बैंड विजय चौहान और गुरु विजया पालीवाल जी को देती हैं। उनके अनुसार, ÷उन्होंने हर कदम पर मेरा मार्गदर्शन किया, मुझे सही दिशा दिखाई और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ना सिखाया। आज मैं जो भी हूँ, अपने पती और अपनी गुरु विजया पालीवाल जी की बजह से हूँ उनका अमूल्य योगदान है।÷

विजया जी का संकल्प है जयश्री जी की तरह हर छोटे बड़े शहर और गाँव से छुपी हुई प्रतिभाओ को आगे लाना है

जय श्री जी का मानना है कि मेहनत, निरंतर सीखने की लगन, ईमानदारी और सकारात्मक सोच ही सफलता की वास्तविक कुंजी है। अब इंदौर की संयुक्त उपाध्यक्ष के रूप में उनका उद्देश्य ब्यूटी इंडस्ट्री से जुड़ी महिलाओं और युवाओं को प्रशिक्षण, रोजगार, आत्मनिर्भरता तथा संगठन के माध्यम से नई ऊँचाइयों तक पहुँचाना है। ब्यूटी पार्लर एसोसिएशन ने विश्वास व्यक्त किया है कि जयश्री के नेतृत्व में इंदौर में संगठन और अधिक सशक्त होगा तथा ब्यूटी इंडस्ट्री के विकास को नई गति मिलेगी।

अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

107 लीटर मदिरा और 1200 किलो गुड़ लाहन जब्त

ग्वालियर, जीएनएस। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के आदेशानुसार तथा आबकारी उपायुक्त श्री संदीप शर्मा के निर्देशन एवं सहायक आबकारी आयुक्त श्री राज नारायण सोनी के मार्गदर्शन में अवैध मदिरा के विनिर्माण, विक्रय, संग्रह और परिवहन के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आबकारी विभाग की टीम ने नयागांव, दामोदर नगर और शंकरपुर स्टेडियम क्षेत्र में दबिश देकर बड़ी कार्रवाई की।

नयागांव कंजर डेरा में कार्रवाई के दौरान 94 लीटर कच्ची हाथ भट्ठी मदिरा, मदिरा निर्माण के उपकरण, भट्ठी एवं पात्र बरामद किए गए। इसके अलावा छह ड्रम में भरे करीब 1200 किलोग्राम गुड़ लाहन का सैंपल लेकर शेष लाहन मौके पर नष्ट किया गया। अवैध शराब के परिवहन के लिए रखी एक मोटरसाइकिल भी जब्त की गई। मामले में फरार आरोपी विवेक कंजर पुत्र भूरा कंजर के खिलाफ मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34(1), 34(2) एवं 49ए के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। इसी तरह दामोदर नगर क्षेत्र से 45 पाव देसी मदिरा प्लेन तथा शंकरपुर स्टेडियम क्षेत्र से 11 पाव देसी मदिरा प्लेन और 6 बीयर कैन जब्त किए गए। आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 34(1) के तहत दो प्रकरण दर्ज किए गए हैं।

कार्रवाई में कुल 107 लीटर अवैध मदिरा और 1200 किलोग्राम गुड़ लाहन जब्त किया गया। जब्त मदिरा, निर्माण उपकरण, भट्ठी, पात्र और मोटरसाइकिल की अनुमानित कीमत करीब 2.25 लाख रुपए बताई गई है। कार्रवाई में आबकारी नियंत्रण कक्ष प्रभारी एवं सहायक जिला आबकारी अधिकारी राजेश तिवारी, सहायक जिला आबकारी अधिकारी अमीन खान, दिनेश भार्गव, उप निरीक्षक हरेंद्र मावई, शिवा रघुवंशी, सतेंद्र मीणा, रवि सिसोदिया सहित मुख्य आरक्षक ब्रजेश नगर, आरक्षक राघवेंद्र भदौरिया, मातादीन धाकड़, मनोज यादव, अमन राजावत, देवेश शर्मा एवं प्रशांत मुद्गल का महत्वपूर्ण योगदान रहा। आबकारी विभाग ने कहा है कि अवैध मदिरा के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

स्कूलों में बच्चों के आधार पंजीयन व अपडेशन के लिये शिविरों का आयोजन जारी

ग्वालियर, जीएनएस। जिले के सरकारी एवं प्राइवेट स्कूलों में बच्चों के मेंडेटरी बायोमेट्रिक अपडेशन एवं आधार पंजीयन के लिये कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर विशेष आधार शिविर जारी हैं। गत 15 जुलाई से रोस्टर अनुसार स्कूलों में इन शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। अब तक लगे लगभग 320 शिविरों में 9500 से अधिक बच्चों के आधार पंजीयन व अपडेशन संबंधी कार्य किया जा चुका है। गुरुवार को जिले के 6 स्कूलों में आधार अपडेशन व पंजीयन शिविर लगाए गए। इनमें से हायर सेकेंड्री स्कूल आंतरी में 55, जन शिक्षा केन्द्र डबरा में 17, शासकीय हायर सेकेंड्री स्कूल डबरा में 10, शासकीय बालक हायर सेकेण्ड्री स्कूल शिक्षा नगर हजीरा में 57, कार्मल कॉन्वेंट स्कूल मुरार में 33 एवं नम्रता पब्लिक स्कूल में 18 आधार अपडेशन व पंजीयन कार्य किए गए। जिले के अन्य स्कूलों में भी रोस्टर अनुसार स्कूलों में आधार कैंप का आयोजन किया जायेगा। खासतौर पर ऐसे स्कूलों में यह शिविर लगाए जा रहे हैं, जिनमें बायोमैट्रिक अपडेशन एवं आधार पंजीयन से अधिक बच्चे शेष हैं। शिविरों में बायोमैट्रिक अपडेशन मशीन पहुंचाई जा रही है।

गोबर एवं गंदगी फैलाने वाले भैंस पालकों पर नगर निगम की चालानी कार्रवाई

वार्ड क्रमांक 20 की गोवर्धन कॉलोनी में की गई कार्रवाई, 13 हजार 200 रुपये का जुर्माना वसूला

ग्वालियर, जीएनएस। नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देशानुसार एवं अपर आयुक्त श्री टी. प्रतीक राव के निर्देशन में शहर में स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने तथा सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने वालों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में गुरुवार को स्वच्छता टास्क फोर्स (एसटीएफ) द्वारा वार्ड क्रमांक 20 स्थित गोवर्धन कॉलोनी में भैंस पालकों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की गई।

स्वच्छता टास्क फोर्स के प्रभारी श्री सोनू दौदेरिया ने बताया कि स्वास्थ्य अधिकारी श्री भीष्म पमनानी के निर्देशन में कार्रवाई के दौरान भैंस पालकों द्वारा इधर-उधर गोबर एवं गंदगी फैलाए जाने पर कुल 13 हजार 200 रुपये की चालानी कार्रवाई की गई। इस दौरान संबंधित भैंस पालकों को समझाइश भी दी गई कि वे सार्वजनिक स्थानों, सड़कों एवं आसपास के क्षेत्रों में गोबर अथवा अन्य प्रकार की गंदगी न फैलाएं तथा स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने में नगर निगम का सहयोग करें।कार्रवाई में जोनल स्वास्थ्य अधिकारी श्री निखिल कडैरे, वार्ड स्वास्थ्य अधिकारी श्री अजीत धवल सहित एसटीएफ टीम के श्री भीकाराम, श्री मनोज भारती, श्री नंदेश करोसिया, श्री धीरज धौलपुरिया एवं श्री प्रदीप चौहान का सहयोग रहा।

जिले में खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने के लिये अभियान जारी

ग्वालियर। जिले में खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने एवं आमजन को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री गिरीश राजौरिया ने डीडी नगर स्थित पनवाड़ी पोहा के स्प्राउट में इल्ली पाए जाने की शिकायत पर खाद्य पदार्थों के नमूने लिए। इन खाद्य पदार्थों के नमूनों को जांच के लिए भोपाल स्थित प्रयोगशाला में भेजा जाएगा। जांच रिपोर्ट आने पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान द्वारा खाद्य पदार्थों में मिलावट एवं खाद्य सुरक्षा मानकों के उल्लंघन को रोकने के लिए लगातार छापामार कार्रवाई करने के निर्देश खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों को दिए गए हैं।

लम्पी वायरस का बढ़ता प्रकोप चिंताजनक, पशुपालन विभाग की निष्क्रियता पर उठे सवाल

मुरैना, जीएनएस। मुरैना नगर सहित आसपास के क्षेत्रों में लम्पी वायरस का प्रकोप तेजी से फैल रहा है। प्रतिदिन 100 से अधिक संख्या में गौवंश इस बीमारी की चपेट में आ रहे हैं जिससे गौवंश की अकाल मृत्यु हो रही है व बहुत पीड़ित हो रहा लेकिन पशुपालन विभाग द्वारा अभी तक कोई ठोस एवं प्रभावी कदम नहीं उठाए है। लम्पी स्किन डिजीज एक संक्रामक वायरल बीमारी है, जो मच्छरों, मक्खियों एवं अन्य वाहक कीटों के माध्यम से फैलती है। इस बीमारी के नियंत्रण के लिए समय पर टीकाकरण, प्रभावित पशुओं का पृथक्करण, उपचार एवं जागरूकता अभियान आवश्यक हैं। केंद्र एवं राज्य स्तर पर इसके लिए दिशा-निर्देश जारी किए जा चुके हैं। चिंता का विषय यह है कि नगर निगम एवं आस पास के ग्रामीण क्षेत्रों में लम्पी से बीमार एवं निराश्रित गौवंश खुले में घूम रहे हैं, जिससे संक्रमण और अधिक फैलने की आशंका बनी हुई है। गौसेवक रुद्रप्रताप सिंह एवं सामाजिक संगठनों ने प्रशासन एवं पशुपालन विभाग से मांग की है कि तत्काल विशेष टीकाकरण अभियान चलाया जाए, पशु चिकित्सा दलों को सक्रिय किया जाए, प्रभावित क्षेत्रों का सर्वे कराया जाए तथा निराश्रित गौवंश के उपचार एवं संरक्षण की समुचित व्यवस्था की जाए। यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो बड़ी संख्या में गौवंश की जान जोखिम में पड़ सकती है, जिसकी जिम्मेदारी संबंधित विभाग की होगी।

चार राजस्व कर संग्रहकों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी

ग्वालियर। नवीन ट्रेड लाइसेंस बनाने में लापरवाही बरतने पर चार राजस्व कर संग्रहकों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया। नोडल अधिकारी राजस्व श्री अनूप लिटोरिया द्वारा जारी नोटिस अनुसार राजस्व कर संग्रहक क्षेत्र क्रमांक 25 श्री जगदीश बघेल द्वारा विगत वर्ष 3 ट्रेड लाइसेंस बनाए थे तथा वर्तमान चालू वर्ष में 3 ट्रेड लाइसेंस रिन्यूअल किए है एवं 01 नवीन बनाया हैं। इसके साथ ही राजस्व कर संग्रहक क्षेत्र क्रमांक 22 श्री दिनेश जाटव द्वारा विगत 19 ट्रेड लाइसेंस बनाए थे तथा वर्तमान चालू वर्ष में 05 ट्रेड लाइसेंस रिन्यूअल किए है एवं 02 नवीन बनाये हैं। साथ ही राजस्व कर संग्रहक क्षेत्र क्रमांक 23 श्री राकेश खरे द्वारा विगत वर्ष 19 ट्रेड लाइसेंस बनाए थे तथा वर्तमान चालू वर्ष में 9 ट्रेड लाइसेंस रिन्यूअल किए है।

हिन्दी दैनिक
श्रमसाधना
आपकी दुःख की घड़ी में
श्रमसाधना सदैव आपके साथ है
उठावनी/रस्म पगड़ी
का प्रकाशन
निःशुल्क
सम्पर्क करें
ग्वालियर
☎0751-2625029
9074257600
शिवपुरी
☎07492-232149
8251071286
E-mail : shramsadhnagwl@gmail.com

उप संचालक कृषि ने कोलारस में कृषि कार्यालय, मृदा लैब एवं खाद गोदाम का किया औचक निरीक्षण

अनुपस्थित 2 कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस, खाद गोदाम प्रबंधक को रिकॉर्ड व्यवस्थित रखने के निर्देश

शिवपुरी, जीएनएस। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत किसान कल्याण तथा कृषि विकास भोपाल तथा कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के निर्देशानुसार उप संचालक कृषि श्री मुनेश कुमार शाक्य द्वारा विकासखंड कोलारस का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधीनस्थ कार्यालय वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी कोलारस, मृदा लैब एवं खाद भंडारण केंद्र कोलारस का जायजा लिया। इस दौरान बिना सूचना अनुपस्थित पाए जाने पर वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी कार्यालय कोलारस के दो कर्मचारियों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किए गए। निरीक्षण के दौरान खाद भंडारण केंद्र कोलारस में उर्वरकों की उपलब्धता का भौतिक सत्यापन किया गया। केंद्र में यूरिया 30 मीट्रिक टन, डीएपी 46 मीट्रिक टन, एनपीके 109 मीट्रिक टन, एसएसपी 15 मीट्रिक टन एवं एमओपी 6 मीट्रिक टन उपलब्ध पाया गया। उप संचालक कृषि ने खाद गोदाम प्रबंधक को समस्त रिकॉर्ड व्यवस्थित रखने तथा कार्यालय एवं परिसर में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने हेतु निर्देशित किया।

निरीक्षण के दौरान उप संचालक कृषि द्वारा कोलारस विकासखंड क्षेत्र में फसलों की वर्तमान स्थिति का भी अवलोकन किया गया। इसके साथ ही उन्होंने जिले के कृषकों से अपील की है कि वे अपनी कृषि भूमि के समस्त खसरा नंबरों को फार्मर आईडी से अनिवार्य रूप से जुड़वा लें, जिससे भविष्य में उर्वरक (खाद) उठाव में किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह जी ने पंजाब सिंह यादव (चिरोल बालों) के दतिया निवास पर पहुंचकर स्वास्थ्य की जानकारी ली

दतिया, जीएनएस। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने पीतांबरा माई की पूजा पाठ की इसके बाद जानकारी मिली कि अभी हाल ही में पंजाब सिंह यादव पूर्व जिला पंचायत सदस्य ओपन हार्ट सर्जरी हुई थी अभी अपने घर पर डॉक्टर की सलाह से आराम कर रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री जी ने पंजाब सिंह यादव के निवास पर पहुंचकर हाल-चाल जाना और शुभकामनाएं दी। पूर्व मुख्यमंत्री के साथ भांडेर विधायक फूल सिंह बरैया,पूर्व राधेलाल बघेल,पूर्व विधायक प्रयागी लाल जाटव,जिला संगठन प्रभारी राम लखन दंडोतिया आदि महानुभाव साथ थे।

यादव जी के निवास पर कांग्रेस महासचिव रचना शेर सिंह,वरिष्ठ कांग्रेस नेता नारायण सिंह बाबूजी,पूर्व जनपद सदस्य रमेश उचडिया, राजेंद्र पटेल,उत्तम सिंह यादव, कप्तान सिंह ऊंचिया, अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष मोइन कुरैशी,देवेंद्र सिंह ऊंचिया,जितेंद्र सिंह कुशवाहा राज नारायण सिंह आदि लोग मौजूद थे।

जनसंपर्क एवं मीडिया के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए मिला सम्मान

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने श्री ताहिर अली को ‘विनय उजाला राष्ट्रीय गौरव सम्मान-2026’ मिलने पर दी बधाई

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने जनसंपर्क विभाग के सेवानिवृत्त संयुक्त संचालक एवं उनके मीडिया सलाहकार श्री ताहिर अली को प्रतिष्ठित 13वें ‘विनय उजाला राष्ट्रीय गौरव सम्मान-2026’ से महाकाल की नगरी , उज्जैन में सम्मानित किए जाने पर बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि जनसंपर्क एवं मीडिया के क्षेत्र में श्री ताहिर अली का दीर्घ अनुभव, समर्पण और सेवाभाव सराहनीय है। उन्होंने शासन की नीतियों, योजनाओं एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों को आमजन तक पहुंचाने तथा शासन और मीडिया के बीच प्रभावी समन्वय स्थापित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उल्लेखनीय है कि इंदौर में आयोजित सम्मान समारोह में प्रसिद्ध अभिनेत्री श्रीमती पद्मिनी कोल्हापुरे ने श्री ताहिर अली को ‘विनय उजाला राष्ट्रीय गौरव सम्मान-2026’ एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया। विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान के लिए 12 अलग-अलग विधाओं में प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया।

ग्वालियर दक्षिण में गुड़ा-गुड़ी का नाका स्थित डांग वाले बाबा-फर्श वाली गली में बनेगी सीसी रोड

ग्वालियर। ग्वालियर दक्षिण में सामाजिक न्याय, दिव्यांगजन सशक्तिकरण, उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह की पहल पर मूलभूत सुविधाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है। इस कड़ी में इस क्षेत्र के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 52 में 36.90 लाख रुपये की लागत से सीसी रोड का निर्माण कराया जाएगा। गुड़ा-गुड़ी का नाका स्थित डांग वाले बाबा, फर्श वाली गली में मुख्यमंत्री अधोसंरचना सीएम मॉनिट योजना के तहत बनने वाली इस सड़क का भूमि पूजन मंत्री श्री कुशवाह ने क्षेत्र की कन्याओं के हाथों कराया। इस अवसर पर मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि नागरिकों को बेहतर सड़क, सुगम आवागमन और आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है।

नाम परिवर्तन सूचना

मेरी पुत्री का सही नाम तन्वी द्विवेदी (TANVI DWIVEDI) है जो कि उसके शैक्षणिक दस्तावेज, जन्म प्रमाणपत्र आदि में दर्ज है। जबकि मेरी पुत्री के आधार कार्ड में त्रुटिवश उसका नाम नैन्सी द्विवेदी (NAINSI DWIVEDI) दर्ज हो गया है। तन्वी द्विवेदी (TANVI DWIVEDI) और नैन्सी द्विवेदी (NAINSI DWIVEDI) दोनों नाम मेरी एक ही पुत्री के है, अतः प्रकाशन उपरांत मेरी पुत्री के आधार कार्ड एवं समस्त शासकीय/अशासकीय दस्तावेजों में उसका नाम नैन्सी द्विवेदी (NAINSI DWIVEDI) के स्थान पर सही नाम तन्वी द्विवेदी (TANVI DWIVEDI) पुत्री श्याम प्रकाश पढ़ा लिखा व दर्ज किया जावे।

आवेदक : श्याम प्रकाश पुत्र शिवशंकर द्विवेदी
निवासी- काला सैयद रोड, पुरूटो माता मंदिर के पास, लश्कर, ग्वालियर (म.प्र.)

नाम परिवर्तन सूचना

मेरे पुत्र का सही नाम मितांक अग्रवाल (MITANK AGRAWAL) है यही नाम उसके जन्म प्रमाणपत्र, शैक्षणिक दस्तावेज आदि में दर्ज है। जबकि मेरे पुत्र के आधार कार्ड में त्रुटिवश उसका नाम मितांग अग्रवाल (MITANG AGRAWAL) दर्ज हो गया है। मितांक अग्रवाल (MITANK AGRAWAL) और मितांग अग्रवाल (MITANG AGRAWAL) दोनों नाम मेरे एक ही पुत्र के है। अतः इस सूचना प्रकाशन उपरांत मेरे पुत्र के आधार कार्ड एवं समस्त शासकीय/अशासकीय दस्तावेजों में उसका नाम मितांग अग्रवाल (MITANG AGRAWAL) के स्थान पर मितांक अग्रवाल (MITANK AGRAWAL) पुत्र गिर्राज अग्रवाल पढ़ा लिखा व दर्ज किया जावे।

आवेदक : गिर्राज अग्रवाल पुत्र राम बाबू अग्रवाल
निवासी- बड़ा बाजार, पिछोर, वार्ड नं.02, ग्वालियर (म.प्र.)

पटवारियों पर गंभीर आरोप, अभिभाषक संघ ने कलेक्टर के नाम सौंपा ज्ञापन

लहार, जीएनएस। तहसील क्षेत्र में पटवारियों की कार्यप्रणाली को लेकर अभिभाषक संघ लहार ने मोर्चा खोल दिया है। संघ ने शुक्रवार को कलेक्टर भिंड के नाम एसडीएम लहार के माध्यम से ज्ञापन सौंपकर पटवारियों पर काम में लापरवाही, अधिकारियों के आदेशों की अवहेलना और विभिन्न राजस्व प्रकरणों में अनियमितताओं के गंभीर आरोप लगाए। संघ ने पूरे मामले की जांच कराने की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि लहार क्षेत्र के पटवारियों द्वारा 115 के प्रकरणों में रिपोर्ट नहीं लगाई जा रही है, वहीं नामांतरण और सीमांकन के मामलों में भी समय पर कार्रवाई नहीं होने से पक्षकारों और किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है अभिभाषक संघ ने पटवारियों द्वारा लहार एसडीएम पर अभद्रता और परेशान करने के लगाए गए आरोपों को गलत बताते हुए इसकी जांच कराने की मांग की है। ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि कुछ पटवारी एसडीएम के खिलाफ शिकायतें कर दबाव बनाने का प्रयास कर रहे हैं संघ ने दबोह क्षेत्र में नामांतरण और बंटवारे के मामलों में कथित अनियमितताओं की भी जांच कराने की मांग की है। ज्ञापन में तहसीलदार दबोह-आलमपुर तथा संबंधित पटवारियों की कार्यप्रणाली की जांच की मांग करते हुए कहा गया है कि इस संबंध में पूर्व में भी अभिभाषकों द्वारा शिकायत की जा चुकी है।

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान: कोलारस में विशाल जनसंवाद शिविर आयोजित; हितग्राहियों को मिली योजनाओं की सौगात

शिवपुरी, जीएनएस। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुंचाने और उनकी समस्याओं का स्थानीय स्तर पर त्वरित निराकरण करने के उद्देश्य से %मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026% संचालित किया जा रहा है। यह अभियान 07 अगस्त 2026 से शुरू हुआ है जो 08 जनवरी 2027 तक चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत नगर परिषद के सामने कोलारस में एक भव्य जनसंवाद शिविर का सफल आयोजन किया गया।

कोलारस विधायक श्री महेंद्र सिंह यादव के मुख्य आतिथ्य एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विजय राज की अध्यक्षता में आयोजित शिविर का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर त्वरित समाधान करना और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम छोर के पात्र व्यक्ति तक पारदर्शी तरीके से पहुँचाना रहा। इसके साथ ही जनसंवाद कर लोगों की समस्याओं को जानना और निराकरण करना है।

शिविर के दौरान विधायक श्री महेंद्र यादव एवं सीईओ श्री विजय राज ने एक-एक कर आमजन की समस्याएँ सुनीं और कई मामलों में मौके पर ही निराकरण सुनिश्चित किया। वहीं शेष समस्याओं के निराकरण हेतु संबंधित विभागीय अधिकारियों को तुरंत आवेदन सौंपते हुए समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

अधिकारियों को त्वरित समस्या समाधान के निर्देश

विधायक श्री महेंद्र सिंह यादव ने शिविर को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान की रूपरेखा और इसके जन कल्याणकारी उद्देश्यों के बारे में उपस्थित नागरिकों को विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का मुख्य उद्देश्य अंतिम छोर के व्यक्ति तक शासकीय योजनाओं का लाभ पारदर्शी और सुलभ तरीके से पहुंचाना है। इसके साथ ही उन्होंने उपस्थित विभागीय अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि शिविर में आने वाले आम नागरिकों के आवेदनों एवं समस्याओं का निराकरण संवेदनशीलता के साथ शीघ्र अति शीघ्र सुनिश्चित करें, ताकि आमजन को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

जिला पंचायत सीईओ ने किया आंगनवाड़ी केंद्रों का निरीक्षण

मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विजय राज द्वारा कोलारस स्थित आदर्श आंगनवाड़ी केंद्र मानीपुरा का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण और स्वच्छता व्यवस्थाओं का जायजा लिया। साथ ही तौल मशीन की कार्यप्रणाली जांचने, तौल रजिस्टर को नियमित मेंटेन करने और कीट-पतंगों से बचाव हेतु खिड़कियों में जाली लगवाने के निर्देश दिए। इसी क्रम में सीईओ श्री विजय राज ने कोलारस के वार्ड क्रमांक 01 स्थित आंगनवाड़ी केंद्र का भी औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कम वजन वाले बच्चों की जानकारी ली, उपस्थिति व ग्रोथ मॉनिटरिंग रजिस्टर की जांच की तथा एनआरसी में भेजे गए बच्चों के स्वास्थ्य में आए सुधार की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों व कार्यकर्ताओं को कम वजन वाले बच्चों के अभिभावकों को जागरूक करने तथा अति कुपोषित बच्चों को तत्काल एनआरसी में भर्ती कराने के कड़े निर्देश दिए।

ये हैं वो संकेत, जो बताते हैं कि आपका रिश्ता कितना मजबूत है?

रिश्ते को मजबूत बनाने के लिए हम हर मुमकिन प्रयास करते हैं. लेकिन कई बार कुछ गलतियों के वजह से हम अपने पसंदीदा इंसान को खो बैठते हैं. आप भी अगर इस परिस्थिति से नहीं गुजरना चाहते हैं तो यहां बताए गए संकेतों पर ध्यान दें जिससा आप अपने रिश्ते को मजबूत बना पाएंगे.

जब आप किसी से बेहद प्यार करते हैं तो आपके मन में रिश्ते को लेकर कई तरह के सवाल उठते रहते होंगे. कुछ सवाल तो इतना ज्यादा परेशान करने लगते हैं कि आप इनसिक्योर हो जाते हैं और उन्हें अपने रिश्ते को लेकर डर सताने लगता है. इस डर की वजह से कई मजबूत रिश्तों की नींव तक हिल जाती है. अगर आपको भी अपने रिश्ते की मजबूती को समझने या पहचानने में दिक्कत आ रही है तो यहां पर कुछ संकेतों की मदद से पता लगा सकते हैं. आइए जानते हैं कैसे. बेहतर कम्युनिकेशन अगर आप दोनों के बीच एक अच्छा संवाद होता है और एक दूसरे की बात को समझने में ज्यादा दिक्कत नहीं आती है तो ये संकेत आपके रिश्ते की मजबूती को दर्शाता है. लेकिन, अगर एक दूसरे की बात को समझने में दिक्कत आ रही है तो इसे बेहतर बनाने का प्रयास करें.

एक दूसरे की इज्जत है जरूरी

हर रिश्ते में इज्जत का बहुत महत्व होता है. अगर आपका पार्टनर आपको सभी जगह बराबर इज्जत देता है तो यहां पर समझ लेना कि आपका रिश्ता मजबूत है. इसलिए रिश्ते को मजबूत रखने के लिए एक दूसरे की इज्जत करना अति आवश्यक होता है.

विश्वास पर टिकता है रिश्ता

टिकाऊ रिश्तों की सबसे बड़ी पहचान विश्वास होता है. अगर आपका पार्टनर किसी भी चीज को लेकर सवाल जवाब नहीं करता है तो यहां पर आपका रिश्ता मजबूत है. लेकिन, अगर किसी चिंता को लेकर आपसे कुछ पूछता है तो आपको उस पर विश्वास करना चाहिए और उसे सब बता देना चाहिए.

हर वक्त साथ देना

मजबूत रिश्ते में हर वक्त एक दूसरे का साथ देना बेहद अहम होता है. ऐसे में आपका पार्टनर अगर हर जगह चाहे वो आपकी मदद करने में या आपके खिलाफ खड़े होने वालों से लड़ने की स्थिति में हमेशा साथ देता है तो ये आपके मजबूत रिश्ते की सबसे बड़ी पहचान होती है. इससे आपको यकीन हो जाएगा कि आपका पार्टनर सिर्फ आपके लिए ही है.

लव लैंग्वेज को पहचानें

एक मजबूत रिश्तों में सबसे अहम लव लैंग्वेज को समझना होता है. ऐसे में अगर आपका पार्टनर आपकी भावनाओं को आसानी से समझ लेता है या आपके इमोशन का ख्याल रखता है तो ये भी संकेत आपके मजबूत रिश्ते का सर्टिफिकेट हो सकता है.

प्रेग्नेंसी में बार-बार हो रही है उल्टी? ये तीन नुस्खे हैं रामबाण, ऐसे करें फॉलो

गर्भावस्था के दौरान उल्टी होना आम समस्या है. ये किसी भी गर्भवती के लिए काफी परेशान और असहज करने वाली स्थिति होती है. बता दें कि कुछ महिलाएं पूरी गर्भावस्था के दौरान इसका अनुभव करती हैं. लेकिन इस समस्या को घरेलू नुस्खों से भी ठीक किया जा सकता है.

प्रेग्नेंसी में उल्टी आना इसका साधारण लक्षण माना जाता है. लगभग 70 फीसदी लोगों में उल्टी आना या मतली की समस्या देखी जाती है. वहीं, हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो कुछ महिलाओं में ये समस्या 9 महीनों तक भी रह सकती है. उल्टी आने की समस्या को मॉर्निंग सिकनेस के रूप में भी जाना जाता है. कई बार ये प्रॉब्लम इतनी बढ़ जाती है, जिससे महिलाएं काफी असहज हो जाती हैं.

हेल्थ एक्सपपर्ट्स का कहना है कि प्रेग्नेंसी के दौरान अगर महिलाएं उल्टी जैसा फील कर रही हैं तो डरने की बात नहीं है. हालांकि, इसके स्पष्ट कारणों के बारे में पता नहीं है लेकिन एक थ्योरी के मुताबिक, ऐसा शरीर में हार्मोनल बदलाव के कारण होता है. लेकिन इसे घरेलू उपायों से ठीक किया जा सकता है.

क्या हो सकते हैं कारण

हेल्थ एक्सपर्ट्स का ये भी कहना है कि अगर आपके पेट में जुड़वा बच्चे हों, तो आपको उल्टी होने का खतरा अधिक हो सकता है. इसके अलावा, महिलाओं के एस्ट्रोजन हार्मोन में वृद्धि भी मतली आने कारण हो सकती है. इसके साथ ही, माइग्रेन या सिरदर्द की प्रॉब्लम की हिस्ट्री भी उल्टी का कारण हो सकती है. आइए जानते हैं उल्टी रोकने के घरेलू नुस्खों के बारे में जानते हैं.

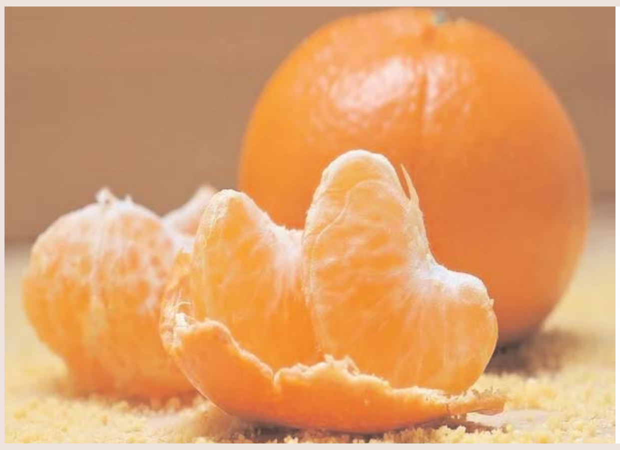

खाएं संतरा

संतरा विटामिन सी के साथ-साथ सिट्रिक एसिड से भरपूर होता है. इसके छिलके को सूंघने से मतली और घबराहट ठीक होती है. आप चाहें तो संतरे का जूस पी सकती हैं या फिर इसके छिलकों के पाउडर को खा सकते हैं.

अदरक की चाय

अदरक की चाय न सिर्फ उल्टी रोकने का काम करती है बल्कि एसिडिटी को ठीक करके पाचन तंत्र को ठीक रखती है. महिलाएं अदरक का टुकड़ा चबा सकती हैं.

पिएं पानी

प्रेग्नेंसी में खुद डिहाइड्रेट होने से रोकें. आप प्रेग्नेंसी के दौरान उल्टी कर रही हैं तो आपको पानी का सेवन करना चाहिए. इसके लिए थोड़ा पानी घूंट-घूंट करके देखें किआपका पेट सहन कर सकता है या नहीं. डिहाइड्रेशन को रोकने के लिए कम से कम रोज 7 से 8 गिलास पानी पिएं.

क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक-2 में लगा शिविर, सैकड़ों आवेदन मिले; लंबित मामलों के समय-सीमा में निराकरण के निर्देश

शिविर में 70 से अधिक समस्याएं मौके पर सुलझीं, हितग्राहियों को मिले प्रमाण-पत्र

ग्वालियर जीएनएस

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत शुक्रवार को नगर निगम के क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक-2 नौमहला में विशेष शिविर आयोजित किया गया। शिविर में आमजन से जुड़ी 70 से अधिक समस्याओं का मौके पर ही निराकरण किया गया। इस दौरान विभिन्न योजनाओं और सेवाओं से संबंधित हितग्राहियों को प्रमाण-पत्र भी वितरित किए गए।

शिविर का उद्देश्य आमजन को शासकीय योजनाओं और नागरिक सुविधाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना तथा उनकी समस्याओं का त्वरित निराकरण करना रहा। शिविर में अपर आयुक्त प्रदीप तोमर, कार्यपालन यंत्री पवन शर्मा, क्षेत्राधिकारी अमित साहू सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

शिविर में नगर निगम के विभिन्न विभागों तथा अन्य नागरिक सुविधाओं से जुड़े सैकड़ों आवेदन भी प्राप्त हुए। अधिकारियों ने आवेदनों को दर्ज कर संबंधित विभागों को सौंपते हुए निर्धारित समय-सीमा में निराकरण के निर्देश दिए। इस दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

अब इन कार्यालयों में लगेंगे शिविर : अभियान के तहत आगामी शिविर 18 सितंबर को क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक-9, 25 सितंबर को क्रमांक-17, 9 अक्टूबर को क्रमांक-10 में जिला स्तरीय शिविर, 16 अक्टूबर को क्रमांक-3 एवं 14, 23 अक्टूबर को क्रमांक-10 एवं 24 और 30 अक्टूबर को क्रमांक-7 एवं 22 में लगाए जाएंगे। इसके बाद 6 नवंबर को क्रमांक-4 एवं 20, 13 नवंबर को क्रमांक-11 एवं 21, 20 नवंबर को क्रमांक-18 एवं 25, 27 नवंबर को क्रमांक-23, 4 दिसंबर को क्रमांक-5, 12 दिसंबर को क्रमांक-12, 18 दिसंबर को क्रमांक-19, 1 जनवरी 2027 को क्रमांक-1 तथा 8 जनवरी 2027 को क्रमांक-13 में शिविर आयोजित किए जाएंगे।

ऑपरेशन मुस्कान के तहत बहोड़ापुर पुलिस की कार्रवाई

24 घंटे में मुरैना से नाबालिग बालिका दस्तयाब, संदेही युवक अभिरक्षा में

ग्वालियर जीएनएस

ऑपरेशन मुस्कान के तहत बहोड़ापुर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए घर से लापता हुई 17 वर्षीय नाबालिग बालिका को 24 घंटे के भीतर मुरैना से सकुशल दस्तयाब कर लिया। पुलिस ने बालिका को अपने कब्जे में रखने वाले संदेही युवक को भी अभिरक्षा में लिया है। बालिका के कथन के बाद मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस के अनुसार 9 सितंबर को बहोड़ापुर निवासी महिला ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी 17 वर्षीय छोटी बहन अपनी मां के साथ फर्नीचर फैक्ट्री गई थी। इसी दौरान वह बिना बताए कहीं चली गई। आसपास तलाश करने के बाद भी उसका पता नहीं चलने पर बहोड़ापुर थाने में अपराध क्रमांक 354/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 137(2) में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

नाबालिग के लापता होने की सूचना मिलते ही वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर सीएसपी ग्वालियर कृष्ण पाल सिंह के मार्गदर्शन और थाना प्रभारी बहोड़ापुर निरीक्षक आलोक सिंह परिहार के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गई। टीम ने आसपास के क्षेत्रों के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया।

तकनीकी जानकारी से मुरैना तक पहुंची पुलिस : जांच के दौरान तकनीकी जानकारी और मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस को नाबालिग के मुरैना में होने का पता चला। इसके बाद पुलिस टीम मुरैना रवाना हुई और 11 सितंबर को बालिका को संदेही संजय रामपुरे के कब्जे से दस्तयाब कर लिया। संदेही युवक को अभिरक्षा में लेकर पुलिस टीम ग्वालियर लौट आई। अब बालिका के कथन दर्ज करने के बाद प्रकरण में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस टीम की रही अहम भूमिका : बालिका की सकुशल दस्तयाबी में थाना प्रभारी आलोक सिंह परिहार, उप निरीक्षक रामचंद्र शर्मा, महिला आरक्षक सपना धाकड़ और आरक्षक कोमल सरल की सराहनीय भूमिका रही। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह के निर्देश पर जिले में गुमशुदा बालक-बालिकाओं की तलाश के लिए अभियान के तहत कार्रवाई जारी है।

गुरु ग्रंथ साहिब का प्रकाश पर्व सत्य, प्रेम और समानता का संदेश देता है : मुख्यमंत्री

भोपाल जीएनएस

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने श्री गुरु ग्रंथ साहिब के पावन प्रकाश पर्व पर प्रदेशवासियों सहित सभी श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि गुरु ग्रंथ साहिब की गुरुबाणी सत्य, प्रेम, समानता और मानव सेवा का संदेश देती है। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि गुरु ग्रंथ साहिब की शिक्षाएं समाज में एकता, सद्भाव और भाईचारे की भावना को मजबूत करने की प्रेरणा देती हैं। यह पर्व मानवता और सेवा के मार्ग पर आगे बढ़ने का संदेश देता है।

डॉ. यादव ने सभी से आह्वान किया कि इस पावन अवसर पर गुरु साहिब के बताए मार्ग पर चलने और मानवता के कल्याण में सहभागी बनने का संकल्प लें।

वस्त्र उद्योग में निवेश की संभावनाओं पर मुख्यमंत्री की गिरिराज सिंह से चर्चा

भोपाल जीएनएस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को नई दिल्ली में केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह से भेंट की। इस दौरान मध्यप्रदेश में वस्त्र एवं टेक्सटाइल क्षेत्र के विस्तार, निवेश की संभावनाओं, औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन से जुड़े विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में वस्त्र उद्योग के लिए उपलब्ध संभावनाओं और उद्योग तथा निवेश को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार की ओर से किए जा रहे प्रयासों की जानकारी केंद्रीय मंत्री को दी। उन्होंने प्रदेश में टेक्सटाइल क्षेत्र को और गति देने तथा नए निवेश आकर्षित करने की संभावनाओं पर भी विचार-विमर्श किया। भेंट के दौरान केंद्रीय वस्त्र मंत्रालय की सचिव नीलम शमी राव, मध्यप्रदेश सरकार की आवासीय आयुक्त रश्मि अरुण शमी सहित केंद्र और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

तकनीक और नवाचार से आधुनिक होगी प्रदेश की परिवहन व्यवस्था

इंदौर जीएनएस

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को इंदौर में आयोजित यात्री परिवहन विजन समिट-2026 के दौरान तकनीक, नवाचार और प्रदेश की नवीन परिवहन व्यवस्था पर केंद्रित प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित उद्योग प्रदर्शनी में बस निर्माताओं, सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों, वित्तीय संस्थानों और विभिन्न उद्योगों के साथ शासकीय निगमों ने अपने उत्पादों और नवाचारों का प्रदर्शन किया।

मुख्यमंत्री ने प्रदर्शनी में विभिन्न कंपनियों की ओर से प्रदर्शित बसों का अवलोकन किया और उनमें उपलब्ध आधुनिक सुविधाओं व तकनीक की जानकारी ली। प्रदर्शनी का उद्देश्य प्रदेश की परिवहन व्यवस्था को अधिक सुगम, सुरक्षित, आधुनिक और प्रभावी बनाने के लिए उपलब्ध तकनीकी समाधानों से परिचित कराना रहा।

प्रदर्शनी में भविष्य के परिवहन की महत्वपूर्ण कड़ी मानी जा रही विद्युत बसों को भी प्रदर्शित किया गया। इसके अलावा परिवहन व्यवस्था, ऊर्जा और ईंधन से जुड़ी तकनीकों तथा अधोसंरचना विकास की संभावनाओं को भी प्रदर्शित किया गया।

नगर निगम आयुक्त ने ली अधिकारियों की बैठक, सीवर-पेयजल और सफाई व्यवस्था को लेकर दिए सख्त निर्देश

सुबह दफ्तर नहीं, फील्ड में दिखें अधिकारी, शिकायत मिली तो होगी कार्रवाई

ग्वालियर जीएनएस

शहर की सफाई, सीवर, पेयजल सहित अन्य नागरिक समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी ने अधिकारियों को प्रतिदिन सुबह से ही फील्ड में रहने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारी मौके पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण करें और समस्याओं का समय पर निराकरण सुनिश्चित करें।

नगर निगम आयुक्त ने अधिकारियों की बैठक में कर्मचारियों की नियमित हाजिरी जांचने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि यदि किसी कर्मचारी की उपस्थिति या कार्य में गड़बड़ी सामने आती है तो संबंधित कर्मचारी के खिलाफ कार्रवाई का प्रस्ताव तैयार कर भेजें। उन्होंने स्पष्ट किया कि लापरवाही मिलने पर जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

सीवर सफाई में कोताही नहीं : आयुक्त ने सीवर सफाई व्यवस्था की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि नई मशीनरी आने तक कर्मचारियों को उपलब्ध अन्य संसाधन मुहैया कराए जाएं, ताकि सीवर सफाई का काम प्रभावित न हो और नागरिकों को परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि किसी क्षेत्र से शिकायत मिलने पर उसकी मौके पर जांच की जाए। शिकायत सही पाई गई और उसमें संबंधित अधिकारी की लापरवाही सामने आई तो अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई स्वयं की जाएगी। बैठक में अपर आयुक्त टी. प्रतीक राव, प्रदीप तोमर, अधीक्षण यंत्री एसएल बाथम सहित कार्यपालन यंत्री और सहायक यंत्री मौजूद रहे।

स्वामी, प्रकाशक , मुद्रक रामकिशन तायल 'फौजी' ने श्रमसाधना प्रिन्टर्स, भगवती निवास पारखजी का बाड़ा दौलतगंज, ग्वालियर से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक : महेश तायल समाचार चयन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत अधिकृत
e.mail- Shramsadhnagwl@gmail.com ph. 0751-2625029, 98270 17078, 9425007142 समाचार पत्र में प्रकाशित सभी आलेखों में लेखकों के अपने विचार हैं। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र ग्वालियर होगा।